हरिभूमि

जशपुर-रायगढ़ भूमि

बिलासपुर, रविवार, 14 दिसंबर 2025

पत्थलगांव | कुनकुरी | बगीचा | फरसाबहार | कांसाबेल | दुलदुला | मनोरा

तापमान

अधिकतम 21.2 डिग्री

न्यूनतम 9.2 डिग्री

4

वनयोगी बाला साहब देशपांडे स्मृति भवन का भूमिपूजन

खबर संक्षेप

एनईएस कॉलेज में एक दिवसीय युवा शिविर 15 को

जशपुरनगर। अरविन्द सोसायटी, पांडिचेरी की छत्तीसगढ़ राज्य समिति द्वारा जशपुर नगर स्थित एनईएस कॉलेज में 15 दिसम्बर को एक दिवसीय युवा शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर दोपहर 2 बजे से प्रारंभ होगा, जिसमें युवाओं के सर्वांगीण विकास से संबंधित विषयों पर मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। शिविर में वरिष्ठ सेवानिवृत्त भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी डॉ. इन्दिरा मिश्र अपने सहयोगियों के साथ विद्यार्थियों को संबोधित करेंगे। इस आयोजन में लगभग 50 स्नातक स्तर के विद्यार्थी सहभागिता करेंगे। यह शिविर महर्षि अरविन्द की समग्र शिक्षा की अवधारणा पर आधारित होगा। अरविन्द का मानना था कि शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार प्राप्त करना नहीं, बल्कि छात्र का शारीरिक, मानसिक, प्राणिक एवं आत्मिक विकास होना चाहिए। इसके अंतर्गत शरीर के लिए व्यायाम, मन के लिए चिंतन, प्राण के लिए उत्साह तथा आत्मा के लिए शुद्धता का अभ्यास आवश्यक है। इस युवा शिविर में एनईएस कॉलेज के विद्यार्थियों के साथ-साथ अन्य महाविद्यालयों के इच्छुक छात्र भी भाग ले सकते हैं। आयोजन को लेकर छात्र-छात्राओं में उत्साह देखा जा रहा है और इसे युवाओं के व्यक्तित्व विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

किसान 31 तक ले सकते हैं बागवानी फसल का लाभ

जशपुरनगर। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत रबी 2025-26 सीजन के लिए अधिसूचना जारी कर दी गई है। यह योजना किसानों को प्राकृतिक आपदाओं असमय वर्षा, सूखा, ओलावृष्टि कीट प्रकोप और अन्य जोखिमों से फसल को होने वाली क्षति के विरुद्ध आर्थिक सुरक्षा प्रदान करती है। योजना का उद्देश्य किसानों की आय को स्थिरता प्रदान करना और खेती को एक सुरक्षित व लाभकारी व्यवसाय बनाना है। इस योजना के अंतर्गत बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 दिसम्बर 2025 निर्धारित की गई है। ऋणी कृषकों का बीमा संबंधित वित्तीय संस्थाओं द्वारा स्वचालित रूप से कर दिया जाएगा, बशर्ते उन्होंने रबी 2025 के लिए फसल ऋण लिया हो। लेकिन अऋणी कृषकों को इस योजना का लाभ उठाने के लिए स्वयं पहल करनी होगी। किसान नजदीकी ग्राहक सेवा केंद्र सी.एस.सी. सेंटर अथवा मोबाइल एप्प के द्वारा या बचत खाताधारक किसान संबंधित बैंक में जाकर बीमा करा सकते है। इसके साथ ही अऋणी कृषकों के लिए कुछ आवश्यक दस्तावेज जैसे आधार कार्ड की स्वप्रमाणित प्रति, स्वयं के नाम की भूमि रिकॉर्ड बी-1 की प्रति, बुआई प्रमाण पत्र, सक्रिय बैंक खाते की प्रति, जिसमें खाता संख्या और आई.एफ.एस.सी. कोड तथा निर्धारित प्रीमियम राशि लेकर बीमा केंद्र में उपस्थित होना अनिवार्य रहेगा।

ग्रामीणों ने की थाना बनाने की मांग

कोतबा चौकी में स्टॉफ का टोटा, 22 ग्राम पंचायतों की सुरक्षा 13 कर्मियों के भरोसे

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोतबा

जशपुर जिले की कोतबा नगर पंचायत और उससे लगे 22 गांवों की सुरक्षा व्यवस्था राम भरोसे चल रही है। एक तरफ अपराध और सड़क हादसों का ग्राफ तेजी से बढ़ रहा है, तो दूसरी तरफ पुलिस बल की भारी कमी ने सिस्टम की लाचारी को उजागर कर दिया है। हालात यह हैं कि करीब 1 लाख की आबादी वाले इस क्षेत्र की सुरक्षा का जिम्मा मैदानी हकीकत में महज 13 पुलिसकर्मियों के कंधों पर है। तस्वीरों में कोतबा पुलिस चौकी की इमारत भले ही पक्की और सुदृढ़ नजर आती हो, लेकिन इसके भीतर का ढांचा स्टाफ की कमी से चरमराया हुआ है। यह चौकी वर्तमान में बागबहार थाने के अधीन आती है। क्षेत्र के विस्तार और संवेदनशीलता को देखते हुए शासन के मापदंडों के अनुसार यहां 27 पुलिसकर्मियों का बल स्वीकृत है, लेकिन वर्तमान में चौकी प्रभारी समेत कुल 17 जवान ही पदस्थ हैं। यानी चौकी में 10 महत्वपूर्ण पद खाली पड़े हैं। नियमों के मुताबिक चौकी में 1 उपनिरीक्षक, 2 सहायक उपनिरीक्षक, 4 हवलदार और 20 आरक्षक होने चाहिए।

मौजूदा स्थितिः 1 उपनिरीक्षक, 1 एएसआई, 3 हवलदार और 10 आरक्षक। मैदानी हकीकतः कुल 17 में से 2 जवान ट्रैफिक व्यवस्था (स्कूल और कारगिल चौक) और 2 जवान अदालती कार्यों व बागबहार थाने की कागजी कार्यवाही में व्यस्त रहते हैं।

नतीजा वीआईपी ड्यूटी, कानून व्यवस्था और 1 लाख लोगों की सुरक्षा के लिए सिर्फ 13 जवान ही उपलब्ध हैं। स्टाफ की कमी का सीधा असर अपराध नियंत्रण पर दिख रहा है। पुलिस न तो गश्त कर पा रही है और न ही जागरूकता अभियान चला पा रही है। बीते तीन वर्षों के आंकड़े स्थिति की भयावह करते हैंः वर्ष 2023ः 17 सड़क दुर्घटनाओं में 14 लोगों की मौत। वर्ष 2024ः 22 दुर्घटनाओं में 11 मौतें और 18 घायल। वर्ष 2025 (अब तक): कुल 52 मामले दर्ज। इसमें 2 हत्या, 2 बलात्कार, पशु तस्करी और 8 चोरियां शामिल हैं। सड़क हादसों में 7 लोगों की जान जा चुकी है।

साप्ताहिक अवकाश बना सपना

राज्य सरकार द्वारा पुलिसकर्मियों को तनावमुक्त रखने के लिए शुरू की गई 'साप्ताहिक अवकाश' योजना कोतबा में दम तोड़ चुकी है। बल की कमी के कारण जवानों को छुट्टी नहीं मिल पा रही है। बिना आराम के 24 घंटे की ड्यूटी से जवानों की मानसिक और शारीरिक सेहत पर बुरा असर पड़ रहा है। दबी जुबान में जवानों का कहना है कि वे चाहकर भी छुट्टी नहीं मांग सकते क्योंकि काम का बोझ अत्यधिक है। स्थानीय नागरिकों और प्रबुद्ध जनों का कहना है कि चौकी का नया भवन थाने के संचालन के लिए पर्याप्त है। गांजा, कोरेक्स, अवैध शराब और चोरी की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए अब इस चौकी का उन्नयन कर इसे 'पूर्ण थाना' बनाने का वक्त आ गया है। थाने का दर्जा मिलने से ही यहाँ बल की संख्या बढ़ेगी और 22 पंचायतों में प्रभावी गश्त संभव हो सकेगी।

जवानों की कमी एक चुनौती

बल का आवंटन पूरे जिले के शेड्यूल और उपलब्धता के आधार पर किया जाता है। पूरे देश में ही स्वीकृत पदों के मुकाबले जवानों की कमी एक चुनौती है। वर्तमान में जिले में 106 नए जवानों की नियुक्ति हुई है, जिनकी ट्रेनिंग पूरी होने के बाद व्यवस्था सुदृढ़ की जाएगी। हमारा उद्देश्य सीमित संसाधनों में भी लोगों को बेहतर सुरक्षा देना है।

-शशिमोहन सिंह, पुलिस अधीक्षक, जशपुर

कलेक्टर ने खरीदी केंद्र व चेक पोस्ट का किया औचक निरीक्षण

जशपुरनगर। कलेक्टर रोहित व्यास ने जिले में चले रही धान खरीदी की व्यवस्थाओं का जायजा लेने धान खरीदी केंद्र सहित चेक पोस्ट का भी औचक निरीक्षण किया। उन्होंने जशपुर विकासखंड अंतर्गत गम्हरिया धान खरीदी केंद्र पहुंचकर खरीदी केंद्र की व्यवस्थाओं का विस्तृत जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने धान खरीदी से संबंधित पंजीयों का अवलोकन करते हुए खरीदी प्रक्रिया, धान के उठाव, बारदाना की उपलब्धता तथा किसानों की सुविधा के लिए की गई व्यवस्थाओं की जानकारी ली।

- किसानों की सुविधा, पारदर्शी खरीदी और अवैध परिवहन रोकने के दिए कड़े निर्देश

कलेक्टर ने मौके पर उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि धान खरीदी कार्य पूरी पारदर्शिता एवं सुचारू रूप से संपन्न हो, ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने किसानों के बैठने, तौल, भुगतान एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की स्थिति का भी निरीक्षण किया और आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि धान खरीदी केंद्रों पर किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। इसके पश्चात कलेक्टर श्री व्यास ने लोदाम, भालमंडा एवं सकरडेगा स्थित चेक पोस्टों का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अंतरराज्यीय एवं आंतरिक मार्गों पर धान के अवैध परिवहन की रोकथाम के लिए की जा रही निगरानी की समीक्षा की। कलेक्टर ने चेक पोस्टों पर तैनात अधिकारियों को निगरानी और अधिक सख्त करने तथा संदिग्ध वाहनों की गहन जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।इस दौरान एसडीएम जशपुर श्री विश्वास राव मस्के सहित संबंधित विभाग के अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे। कलेक्टर श्री व्यास ने निरीक्षण के दौरान स्पष्ट शब्दों में कहा कि जिले में अवैध धान की खरीदी-बिक्री और परिवहन किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने संबंधित अमले को सजग रहते हुए त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए, ताकि धान खरीदी व्यवस्था प्रभावित न हो और वास्तविक किसानों को शासन की योजनाओं का पूरा लाभ मिल सके। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने यह भी कहा कि प्रशासन का उद्देश्य है कि सही किसान का धान ही खरीदी केंद्र तक पहुंचे और किसी भी स्तर पर बिचौलियों अथवा अवैध गतिविधियों को पनपने का अवसर न मिले। जिला प्रशासन द्वारा धान खरीदी सीजन के दौरान लगातार निरीक्षण एवं निगरानी जारी रखी जाएगी, ताकि पूरी व्यवस्था पारदर्शी, सुव्यवस्थित और किसान हितैषी बनी रहे।

जशपुर में बनेगी अत्याधुनिक तीरंदाजी अकादमी

जशपुरनगर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में खेल सुविधाओं के विस्तार की दिशा में जशपुर जिले को एक और बड़ी सौगात मिली है।जिले के बगीचा विकासखंड के पंडरा पाठ में अत्याधुनिक तीरंदाजी अकादमी (आर्चरी सेंटर) के निर्माण के लिए स्वीकृति मिल गई है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के निर्माण हेतु एनटीपीसी लिमिटेड द्वारा सीएसआर फंड से 20.53 करोड़ रुपए की स्वीकृति प्रदान की गई है। नई तीरंदाजी अकादमी बनने से जिले के ग्रामीण और आदिवासी युवाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल सुविधाएं मिलेंगी। यह पहल आने वाले समय में जशपुर को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतिभाओं का हब बनाने में निर्णायक साबित होगी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की खेल प्रतिभाओं को निखारने और उन्हें विश्व पटल तक पहुँचाने की प्रतिबद्धता का यह एक और बड़ा उदाहरण है। जशपुर के युवाओं में इस घोषणा को लेकर उत्साह का माहौल है,और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का आभार व्यक्त किया है।

दो वर्ष से फरार बाइक चोर गिरफ्तार

जशपुरनगर। कांसाबेल थाना क्षेत्र में वर्ष 2023 में हुई मोटरसाइकिल चोरी के मामले में जशपुर पुलिस ने ऑपरेशन अंकुश के तहत दो वर्ष से फरार आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने फरार आरोपी रितिक कुमार पैंकरा को सिटी कोतवाली जशपुर क्षेत्र के बरटोली, भागलपुर से गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, दिनांक 27 जुलाई 2023 को कांसाबेल निवासी विक्की गुप्ता, जो पटवारी के पद पर कार्यरत हैं, ने थाना कांसाबेल में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि रात्रि करीब 10 बजे

अपनी यामाहा मोटरसाइकिल क्रमांक ओडी-02-एस-2211 को किराए के मकान के बाहर खड़ी कर घर के भीतर चले गए थे। सुबह ⏭ शेष पेज 4 पर

शनिवार के दिन शिक्षक दे रहे है नैतिक शिक्षा एवं संस्कार

हरिभूमि न्यूज ⏭ जशपुरनगर

पीएम श्री शासकीय प्राथमिक शाला में शासन द्वारा निर्धारित बैगलेस डे शनिवार के दिन बच्चों के सहसंज्ञानात्मक क्षेत्र के विकास के लिए विभिन्न प्रकार के खेल, आर्ट एंड क्राफ्ट, ड्राइंग आदि कराए जा रहे है। इसके साथ में शिक्षक रवि गुप्ता बच्चों को नैतिक शिक्षा की नियमित कक्षा लेते है।

बच्चों को महापुरुषों की जीवनी सुनाते है एवं प्रेरणादाई कहानी एवं सुविचार सुनाकर नैतिक शिक्षा का पाठ सिखाते हैं। शिक्षक का मानना है कि बच्चों को छोटी-छोटी नैतिक शिक्षा से संबंधित कहानी सुनाने से बच्चे बहुत ही ध्यानपूर्वक सुनते हैं एवं उससे संबंधित शिक्षा को ग्रहण करते हैं इसके लिए शासन द्वारा प्रदान किए गए चित्र आधारित पुस्तक का भी प्रयोग करते हैं एवं बाल संस्कार से संबंधित कहानी भी सुनाते है। इसके साथ ही वे बच्चों को प्रातः जल्दी उठने के लिए उषा पान करने, उपासना करने, अपने माता-पिता को सम्मान करने एवं प्रेरणादाई एवं राष्ट्र भक्ति गीत सीखते हैं एवं उन्हें याद करके साथ में इसका अभ्यास करते हैं। वे बच्चों को विभिन्न प्रकार के गतिविधि आधारित माइंड गेम के खेल भी खेलाते है जिसे बच्चे रूचिपूर्वक खेलते हैं। शिक्षक रवि गुप्ता का मानना है कि बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ संस्कार में नैतिक मूल्यों का ज्ञान, अच्छे आचरण, संस्कृति और राष्ट्र-समाज के प्रति जिम्मेदारी की भावना को अवगत कराना एक शिक्षक की अहम भूमिका होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आज समाज में नैतिकता का पतन के कारण ही अनाचार, भ्रष्टाचार, झूठ फरेब,आपसी छल कपट एवं क्लेश हो रहा है एवं बच्चों को बचपन से ही नैतिक मूल्यों के साथ जीवन जीने की प्रेरणा देनी चाहिए जिससे वे अपने एवं समाज राष्ट्र का कल्याण कर सकें।

- बैगलेस डे में बच्चे सीख रहे है ड्राइंग, खेल, कहानी एवं सुविचार
- शिक्षक रवि गुप्ता बच्चों को बगलेस डे में सीखा रहें है संस्कार

हरिभूमि

जन्मदिन उत्सव महाबम्पर ड्रा

सांत्वना पुरस्कार विजेताओं के नाम

रायपुर संस्करण - 741.ऋतू ठाकुर पिता\पति विजय सिंग ठाकुर पता- ब्रम्हदेव कॉलोनी भाठा गाँव, 742. ओमप्रकाश देवांगन पिता\पति शरद कुमार देवांगन पता- दुबे कॉलोनी मोवा रायपुर, 743. पूरण दास टंडन पिता\पति स्व. शिव दास टंडन पता- रामेश्वर नगर भनपुरी वार्ड न.-04 रायपुर, 744. हेमंत वर्मा पिता\पति बी.आर.वर्मा पता– रायपुर, 745. नूतनलता पिता\पति स्व. लखन लाल पता- सिद्धार्थ चौक टिकरापारा, 746. संतोष धीवर पिता\पति श्री पालू राम धीवर पता- ग्राम व पोस्ट सारागांव, 747. अंजना यादव पिता\पति जगत राम यादव पता- संजय नगर रायपुर, 748. आरती धीवर पिता\पति नारायण धीवर पता- मठपारा रायपुर, 749. मुकेश कुमार बैस पिता\पति राजेंद्र कुमार बैस पता- भाटागांव रिंग रोड रायपुर, 750. डी.डी. मेश्राम पिता\पति किशन मेश्राम पता- डॉ. राजेंद्र नगर रायपुर, 751. गौतम लाल साहू पिता\पति दरबारी राम साहू पता- परसवानी मगरलोड, 752. भोजेंद्र कुमार साहू पिता\पति स्व. जयसिंह साहू पता- नयापारा गोपुलपुर वार्ड धमतरी, 753. तोषण कुमार साहू पिता\पति चुम्मन लाल साहू पता- कातलबोड कोकड़ी, 754. यशोदा पाल पिता\पति पूरण पाल पता- करेली बड़ी, 755. हेमपुष्पा साहू पिता\पति गोपीचंद साहू पता- मुड़ पार सुरगी राजनादगांव, 756. रमेश रामटेके पिता\पति स्व. रामा रामटेके पता- डोंगरगढ़ गाँव, 757. लखन लाल अहीर पिता\पति स्व. अमरसिंह अहीर पता- डोंगरगढ़ गाँव, 758. शम्भू नाग पिता\पति सुखदेव नाग पता- जगदलपुर, 759. हुमैरा कुरैशी पिता\पति जाकिर कुरैशी पता- पिथौरा, 760. दिलशान खान पिता\पति असगर खान पता- गुप्ता पारा वार्ड न.14, 761. वासुदेव वर्मा पिता\पति विश्राम वर्मा पता- धाराशिव लवन, 762. ईशांत देवांगन पिता\पति स्व. रघु राम देवांगन पता-सरगीपाल कोंडागांव, 763. अंजू पाण्डेय पिता\पति अश्वनी पाण्डेय पता- गणेश नगर रावण भाठा जामुल भिलाई, 764. N.K. दुबे पिता\पति श्री G.L दुबे पता-ईतवारी MP (BHILAI), शोभना यादव पिता\पति एम.पी. यादव पता-न्यू बोरसी दुर्ग, 765. महेंद्र देशमुख पिता\पति पवन कुमार देशमुख पता- गंज पारा दुर्ग, 766. पूर्णिमा चौहान पिता\पति घनश्याम चौहान पता- सुपेला भिलाई दुर्ग, 767. ख़ुशी साहू पिता\पति उपेन्द्र कुमार साहू पता- कुरूद, 768. भोज कुमार पिता\पति श्री आत्माराम पता- EWS -700 आदित्य नगर, 769. जय शोभा शोंड़े पिता\पति स्व. श्री श्रवण कुमार पता- भिलाई नगर सेक्टर-06, 770. सोनल निर्मलकर पिता\पति धन्नू लाल निर्मलकर पता- मैथिल पारा वार्ड न.-32 दुर्ग, 771. सुमन यादव पिता\पति कृष्णा यादव पता-नेहरु नगर उतई वार्ड क्र.09, 772. प्रिया सोनी पिता\पति नीलेश सोनी पता- वार्ड न.-19 बेमेतरा, **बिलासपुर संस्करण–** 773. राजेश शर्मा पिता /पति ईश्वर प्रसाद शर्मा पता- भटगांव बालको, 774. मनीष कुमार साहू पिता/पति गोपाल साहू पता- डोड़की बालको, 775. अनूप प्रकाश पिता/पति स्व. मसीह प्रकाश पता- कोरबा, 776. पूर्वा श्रीवास पिता/पति ईश्वर कुमार श्रीवास पता- भैरव ताल कोरबा, 777. रीतिका सोनी पिता /पति विक्की सोनी पता- मिशन रोड कोरबा, 778. बजरंग अग्रवाल पिता/पति आर.एन. अग्रवाल पता- टी.पी. नगर कोरबा, 779. नम्रता गान साहू पिता/पति घनश्याम साहू पता- पुलिस लाइन बालकों, 780. भुवन सिंह बिझवार पिता/पति स्व. मनहरण सिंह पता- मड़वारानी, 781. मनीषा वैष्णव पिता/पति मनहरण वैष्णव पता - सियाही मुड़ी, 782. अंकिता वैष्णव पिता/पति प्रमोद वैष्णव पता- सियाही मुड़ी, 783. रामायण सिंह पिता/पति उखाजी पता- मिशन रोड रामसागर पारा, 784. राहुल साहू पिता/पति राजेश्वर कुमार साहू पता- रामपुर कोरबा, 785. राजेन्द्र विश्वकर्मा पिता/पति परदेसी विश्वकर्मा पता- मानस नगर, 786. श्रुति पटेल पिता/पति श्री शिव कुमार पटेल पता- दरी कैलास नगर, 787. तरुण पिता /पति रेशम लाल पता- गेवरा घाट कोरबा, 788. दिलीप यादव पिता/पति पुनराम यादव पता- कोरबा, 789. सुनील दास कुलदीप पिता/ पति सुकृत दास कुलदीप पता- सियाही मुडी दर्रि कोरबा, 790. दशरथ शर्मा पिता/पति आर.एस. शर्मा पता- शांति नगर बालको, 791. संजय गजभईये पिता/पति टी.डी.गजभईये पता – बालको, 792. संतोषी श्रीवास पिता/पति सनत श्रीवास पता- रामशान रोड नेहरू नगर बालको, 793. सिधारार्थ डहरे पिता/पति धीरज डहरे पता- परसाभाठा बालको, 794. खयाती कुमारी निषाद पिता/पति राकेश कुमार निषाद पता- मुड़ पारा कोरबा, 795. बलराम सारथी पिता/पति देव प्रसाद सारथी पता- नेहरू नगर बालको, **भोपाल संस्करण –** 796. ललित शर्मा पिता\पति जगदीश प्रसाद शर्मा पता- वार्ड नं 15 रविन्द्र नाथ टैगोर विदिशा रोड, 797. हीतांशु पिता\पति प्रेम नारायण साहु पता- मकान न.-73 वार्ड नं.-73 नियर दुर्गा मंदिर, 798. मानवी पिता\पति संतोष बौरासी पता- जनता नगर करोद, 799. अनिता सिंह पिता\पति लाल बहादुर सिंह पता- 108 त्रिवेणी नगर करोद, 800. सुमित कुशवाह पिता\पति नारायण सिंह कुशवाह पता- विदिशा, 801. राजकुमार जैन पिता\पति नरेन्द्र कुमार जैन पता- दुर्गा नगर विदिशा, 802. धुरव दांगी पिता\पति ब्रजेश दांगी पता- बंटी नगर विदिशा, 803. हरिराम विश्वकर्मा पिता\पति चिरोंजी लाल पता- शंकर नगर विदिशा, **जबलपुर संस्करण –** 804. अभिषेक पिता\पति अजय पता- सिंगौड़ी, 805. वेदिका पिता\पति संदीप पता-सिंगौड़ी, 806. अर्पण साहू पिता\पति प्रतीक साहू पता- सिंगौड़ी, 807. पलक साहू पिता\पति कृष्ण लाल साहू पता- सिंगौड़ी, 808. नमामि राय पिता\पति विवेक राय पता- सिंगौड़ी, 809. अर्थव साहू पिता\पति प्रतीक साहू पता- सिंगौड़ी, 810. पूजा राय पिता\पति पुरुषोत्तम राय पता- सिंगौड़ी, 811. ललित हरिजन पिता\पति सुशील हरिजन पता- वार्ड नंबर 1 बिरसिंहपुर पाली उमरिया।

नियम एवं शर्ते लागू* शेष विजेताओं की सूची के लिये पढ़ते रहिए हरिभूमि

सशिमं कोतबा में सप्तशक्ति संगम

नारी शक्ति और संस्कारों की पुनर्स्थापना पर दिया गया जोर

कोतबा। विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के तत्वावधान में स्थानीय सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, कोतबा के प्रांगण में शनिवार को 'सप्तशक्ति संगम 2025' माताओं-बहनों का समागम का भव्य आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज परिवर्तन, राष्ट्र निर्माण में मातृशक्ति का योगदान और 'पंच परिवर्तन' कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समरसता, स्व का बोध, नागरिक कर्तव्य के विषयों पर मंथन करना था। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि गोमती साय विधायक पत्थलगांव व उपाध्यक्ष सरगुजा विकास प्राधिकरण को आमंत्रित किया गया था। वे आवश्यक बैठक में समिलित होने की वजह से यहाँ नही आ पाई व बतौर प्रतिनिधि निरंजन साय जी सम्मिलित हुए उन्होंने वर्तमान शिक्षा पद्धति और संस्कारों में आ रही गिरावट पर गहरी चिंता व्यक्त की। कार्यक्रम का शुभारंभ 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम्' के उद्घोष के साथ हुआ।कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती, ओम, भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पूजन अर्चन से हुआ। संस्था के प्राचार्य श्याम सुंदर द्विवेदी ने सप्तशक्ति संगम का उद्देश्य बताते हुए कहा कि संघ के शताब्दी वर्ष 2025 के उपलक्ष्य में मातृशक्ति को पञ्च परिवर्तन की जानकारी देना जिसमें कुटुम्ब प्रबोधन, पर्यावरण, नागरिक कर्तव्य, स्वदेशी का भाव, एवं सामाजिक समरसता द्वारा राष्ट्र का नवनिर्माण करना है। इस आयोजन में मुख्य रूप से नगर पंचायत उपाध्यक्ष सुमन शर्मा, जिला पंचायत सदस्य सुरुचि पैंकरा, और महिला मोर्चा अध्यक्ष शकिला कंवर सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। विद्यालय व्यवस्थापक समिति के अध्यक्ष सुरेश कुमार अग्रवाल और प्राचार्य श्याम सुंदर द्विवेदी ने अतिथियों का स्वागत किया। वही विशिष्ट अतिथि पार्षद सुदर्शन पटेल, विजय शर्मा और सुनील शर्मा की उपस्थिति उल्लेखनिय रही। मंच से संबोधित करते हुए कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही नगर पंचायत उपाध्यक्ष सुमन शर्मा ने कहा कि आज के दौर में अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों का प्रचलन (फैशन) बढ़ा है, लेकिन सरस्वती शिशु मंदिर में शिक्षा के साथ-साथ जो 'संस्कार' दिए जाते हैं, वे अन्यत्र दुर्लभ हैं। उन्होंने विद्यालय के प्राचार्य श्री श्याम सुंदर द्विवेदी जी का उदाहरण देते हुए पुरानी गुरु-शिष्य परंपरा को याद किया। उन्होंने कहा, ₹एक समय था जब बच्चों ⏭ शेष पेज 4 पर

खबर संक्षेप

नवीन पाठ्य पुस्तकों पर विषय आधारित ब्लाक स्तरीय प्रशिक्षण

बिश्रामपुर। नवीन पाठ्य पुस्तक पर विषय आधारित विकासखंड स्तरीय पांच दिवसीय प्रशिक्षण स्थानीय शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिश्रामपुर तथा स्वामी आत्मानंद हिंदी माध्यम विद्यालय के सभा कक्ष में संपन्न हुआ,जिसमें सामाजिक विज्ञान और विज्ञान विषय पर क्रमशः 94 तथा 98 प्रशिक्षणार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया,इन्हें जिला प्रशिक्षण संस्थान अंबिकापुर से प्रशिक्षित प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया, सामाजिक विज्ञान विषय में रितेश गुप्ता,सौरभ वर्मा, टीकाराम यादव तथा विज्ञान विषय में अमरेंद्र पांडेय, त्रिवेणी प्रसाद,सुनीता बंजारे ने मास्टर ट्रेनर्स के रूप में कार्य किया,प्रशिक्षण के दौरान सुरजपुर बीईओ हरेंद्र सिंह तथा विकासखंड स्त्रोत समन्वयक मनोज मंडल द्वारा प्रशिक्षणार्थियों से प्रशिक्षण के संबंध में फीडबैक लिया गया, इस दौरान बीईओ हरेंद्र सिंह ने कहा कि नई शिक्षण-रणनीतियों,मूल्यांकन पद्धतियों और नवीन तकनीकी साधनों को अपनी कक्षाओं में लागू करें,ताकि विद्यार्थियों को व्यवहारिक,रोचक और सीखने-योग्य वातावरण उपलब्ध हो सके,उन्होंने कहा कि शिक्षक समाज निर्माण की धुरी हैं,इसलिए उनका सतत प्रशिक्षण और अद्यतन रहना अत्यंत आवश्यक है,विकासखंड स्त्रोत समन्वयक मनोज मंडल ने कहा कि विषय आधारित प्रशिक्षण शिक्षकों की विषयगत दक्षता बढ़ाने, कक्षा-कक्ष शिक्षण को अधिक प्रभावी बनाने तथा विद्यार्थियों के अधिगम परिणामों में सुधार लाने के लिए अत्यंत आवश्यक है,शिक्षक जब अपने विषय में गहराई से दक्ष होते हैं तो वे विद्यार्थियों की सीखने की गति और आवश्यकताओं को बेहतर ढंग से समझ पाते हैं, ऐसे प्रशिक्षणों से शिक्षा की गुणवत्ता में सीधा सुधार होता है, प्रशिक्षण प्रभारी के रूप में बिश्रामपुर संकुल के जन शिक्षक गौरीशंकर पांडेय, नेल्सन बैक, पंकज सिंह व कार्तिक दुबे सक्रिय रहे।

पुरानी पद्धति से धान खरीदी करने की मांग, सौंपा ज्ञापन

अंबिकापुर। जिला किसान कांग्रेस कमेटी ने एग्रो पोर्टल को बंद कर पुरानी पद्धति से धान खरीदी करने की मांग की है। इस संबंध में उन्होंने कलेक्टर के माध्यम से राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा है। जिला किसान कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दुर्गेश कुमार गुप्ता ने बताया कि सरकार द्वारा लागू एग्रो पोर्टल आधारित टोकन व्यवस्था पूर्णतः विफल हो चुकी है। तकनीकी विसंगतियों और मनमाने नियमों के चलते कई किसान न तो पंजीकरण कर पा रहे हैं और न ही उनका टोकन कट रहा है। इस व्यवस्था के गंभीर परिणामों के कारण महासमुंद में एक किसान द्वारा टोकन न मिलने पर आत्महत्या का प्रयास किए जाने की दुर्भाग्यपूर्ण घटना सामने आई है। पंजीयन विसंगति के कारण स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, पूर्व सैनिक, कोटवार एवं वन अधिकार पट्टा धारक किसानों की शासकीय पट्टेधारी भूमि का पंजीकरण भी एग्रो पोर्टल से नहीं हो पा रहा है। किसानों के लिए धान खरीदी केन्द्र में तौल कांटा बढ़ाने के साथ साथ हमाली व्यवस्था बढ़ाया जाए किसानों के लिए पीने का पानी, बैठने की व्यवस्था, शौचालय, रात्रि होने पर विश्राम व अत्याधिक ठंड को ध्यान में रखते हुए अलाव की व्यवस्था धान खरीदी केन्द्रों में किया जाए। एग्रो पोर्टल को तत्काल प्रभाव से बंद किया जाए एवं धान खरीदी हेतु पुरानी, सुचारू पद्धति को पुनः लागू किया जाए। किसानों को पुरानी व्यवस्था की तरह तीन टोकन दिए जाए। इस दौरान प्रमोद चौधरी, मनीष केशरी, निखिल विश्वकर्मा, सीपी सिंह, जमील खान, पंकज शुक्ला सहित अन्य मौजूद थे।

शासकीय महाविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार दिवस पर व्याख्यान

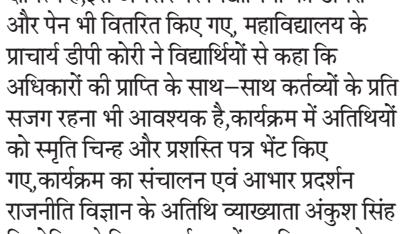

बिश्रामपुर। शासकीय महाविद्यालय बिश्रामपुर में अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार दिवस के अवसर पर व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया,कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती एवं छत्तीसगढ़ महतारी के तैलचित्र पर दीप प्रज्वलन तथा राजकीय गीत के साथ हुआ,कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में संजय गुप्ता (सदस्यअंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार अपराध नियंत्रण छत्तीसगढ़),सत्यनारायण जायसवाल (पूर्व जिला पंचायत सदस्य) तथा सामाजिक कार्यकर्ता संतोष द्विवेदी मुख्य रूप से उपस्थित रहे,इस दौरान सत्यनारायण जायसवाल ने मानव अधिकारों का संक्षिप्त विश्लेषण करते हुए कहा कि "धरती पर सभी मानव का समान अधिकार है और कर्तव्यों का पालन करते हुए जीवन जीना ही वास्तविक मानवता है,उन्होंने 90% अंक प्राप्त करने वाले छात्र–छात्राओं को उनकी तरफ से 51 सौ रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान करने की घोषणा की, मुख्य वक्ता संजय गुप्ता ने मानव अधिकारों की विस्तृत व्याख्या करते हुए कहा कि कमजोर और जरूरतमंद वर्ग की सहायता करना हर मानव का दायित्व है,इस अवसर पर विद्यार्थियों को डायरी और पेन भी वितरित किए गए, महाविद्यालय के प्राचार्य डीपी कोरी ने विद्यार्थियों से कहा कि अधिकारों की प्राप्ति के साथ–साथ कर्तव्यों के प्रति सजग रहना भी आवश्यक है,कार्यक्रम में अतिथियों को स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र भेंट किए गए,कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन राजनीति विज्ञान के अतिथि व्याख्याता अंकुश सिंह सिसोदिया ने किया,कार्यक्रम में महाविद्यालय के छात्र–छात्राएं तथा शिक्षकगण उपस्थित रहे।

फसल की हालत से किसान हताश

शीतलहर के प्रकोप से सूखने लगी पठारी क्षेत्रों में लगी टमाटर की फसल

हरिभूमि न्यूज ⏭ धौरपुर

पिछले एक सप्ताह से पड़ रही कड़ाके की ठंड अब फसलों के लिए भी खतरनाक साबित हो रही है। ठंड व पाला पड़ने के कारण सब्जियों का उत्पादन कम हो गया है वहीं पठारी क्षेत्रों में लगी टमाटर की फसल अब सूखने लगी है। टमाटर की फसल के अचानक सूखने से किसान परेशान है।

खास बात

- उत्पादन में आई भारी कमी, खुदरा में 60 रूपए बिक रहा टमाटर

शहर सहित पूरे सरगुजा संभाग में पिछले एक सप्ताह से कड़ाके की ठंड पड़ रही है। पश्चिमोत्तर की सर्द हवाओं के प्रभाव से पारा सामान्य से 4.5 डिग्री नीचे पहुंच गया है तथा न्यूनतम पारा प्रारंभ से ही 5 डिग्री पर स्थिर है। कड़ाके की ठंड के कारण कई स्थानों पर रात में धुंध एवं कोहरा का असर देखा जा रहा है वहीं पठारी क्षेत्रों में लगातार पाला जम रहा है। जिसके प्रभाव से फसलों पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। हाल-हाल तक कृषकों को अच्छी आय देने वाली टमाटर की फसल पाला के प्रभाव से अब सूख रही है। सरगुजा संभाग में टमाटर की व्यापक स्तर पर खेती होती है। अच्छी कमाई होने के कारण बड़ी संख्या में किसान पठारी क्षेत्रों में टमाटर की खेती कर रहे हैं। पड़ोसी राज्य यूपी, बिहार एवं झारखण्ड में टमाटर की अच्छी मांग होने के कारण व्यापारी सीधे किसानों के खेत में पहुंच जा रहे हैं। एक सप्ताह पूर्व तक किसानों को टमाटर की फसल से अच्छी आय हो रही थी। अचानक ठंड बढ़ने एवं पाला पड़ने के कारण पहले तो फलों की वृद्धि प्रभावित हुई तथा अब पूरी फसल ही सूखने लगी है। लुण्ड्रा तहसील अंतर्गत पठारी क्षेत्र सपड़ा, भेड़िया, परसाढोढ़ी, सरईपानी, नागम एवं पसेना में 100 एकड़ से अधिक क्षेत्रफल में लगी टमाटर की फसल तेजी से सूख रही है। उद्यानिकी वैज्ञानिक प्रभावित फसल पर पाला का प्रभाव पड़ने एवं सुरक्षा के लिए सामूहिक रूप से रात में जगह – जगह अलाव जलाने एवं धुंआ करने की सलाह दे रहे हैं जो व्यवहारिक रूप से संभव नहीं है। फसल सूखने के कारण किसान काफी निराश हैं।

ठण्ड से झूलसी टीमाटर की फसल।

आवक हुई चौथाई

थोक सब्जी विक्रेताओं के अनुसार शीतलहर का प्रकोप होने के बाद थोक मंडी में टमाटर की आवक घटकर चौथाई हो गई है जिसका प्रभाव कीमतों पर पड़ा है। चार दिन पूर्व तक थोक सब्जी मंडी में हर दिन 20 पिकअप टमाटर की आवक होती थी जो अब घटकर 5-6 पिकअप में सिमट गई है। पूर्व में आवक अधिक होने पर थोक में टमाटर 30 रूपए एवं खुदरा में 40-50 रूपए किलो बिक रहा था। आवक कम होने के बाद थोक में टमाटर 40 रूपए एवं खुदरा में 60 रूपए की दर से बिक रहा है। मौसम ऐसा ही रहा तो टमाटर की उपज में भारी कमी आने के साथ ही कीमतों में और अधिक वृद्धि होने की संभावना जताई जा रही है। ठंड बढ़ने के कारण अन्य सब्जियों का उत्पादन भी घट गया है।

2 हजार एकड़ में खेती

लुण्ड्रा तहसील अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों में किसान 2 हजार एकड़ से अधिक क्षेत्रफल में सब्जियों की खेती कर रहे हैं। जिन क्षेत्रों में सिंचाई के साधन हैं वहां किसान खीरा, लौकी, बरबट्टी आदि की खेती कर रहे हैं जबकि असिंचित क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर टमाटर की खेती हो रही है। ठंड के मौसम में टमाटर की भारी मांग होने के साथ ही किसानों को उनकी उपज की अच्छी कीमत मिलती है। टमाटर की खेती से किसानों की आर्थिक स्थिति में तेजी से सुधार हो रहा है।

कम हुई है आवक

ठंड बढ़ने के कारण थोक मंडी में टमाटर की आवक घटकर चौथाई हो गई है। कम आवक होने के कारण कीमतों में काफी वृद्धि हुई है। ठंड इसी तरह रही तो अन्य सब्जियों की आवक में भी कमी आने की संभावना है।

-काशीनाथ केशरी
अध्यक्ष, थोक सब्जी विक्रेता संघ

गंदगी से बजबजाती नाली ने बढ़ाई परेशानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीतापुर

नालियों की साफ सफाई एवं गंदे पानी के निकासी के अभाव में नाली में जमा गंदगी एवं गंदे पानी की वजह से नगर की नालियां बजबजाने लगी है। नाली की नियमित साफ सफाई नही होने की वजह से उसमें गंदगी एवं कचरे का ढेर लग गया है जिसकी वजह से नाली से उठने वाली दुर्गंध ने लोगों के नाक में दम करते हुए उनका जीना मुहाल कर दिया है।इसके अलावा नाली में जमा गंदगी की वजह से मच्छरों का प्रकोप भी बढ़ गया है। नगर को स्वच्छ बनाए रखने की दिशा में नालियों की सफाई का दावा करने वाली नगर पंचायत का यह दावा नालियों को देख झूठा साबित हो रहा है। स्थानीय लोगों द्वारा इस संबंध में अवगत कराने के बाद भी नगर पंचायत इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है।

- दुर्गंध ने किया लोगो का जीना मुहाल

विदित हो कि बारिश से पूर्व नगर पंचायत द्वारा अभियान चलाकर नगर के सभी नालियों की सफाई कराई गई थी। दावा किया गया था कि नगर की एक भी नाली इससे अछूती नहीं रहेगी लेकिन नगर पंचायत का यह दावा गंदगी से सराबोर नगर की नालियों ने झूठा साबित कर दिया खासकर गौरवपथ का नाली जिसकी वजह से वार्डवासियों समेत आम लोग काफी परेशान हो गए है। सफाई अभियान के दौरान मरम्मत के नाम पर अधूरी छोड़ दी गई नाली से गौरवपथ का माहौल दूषित हो गया है। दरअसल वार्ड क्रमांक 15 एवं 4 से होकर गुजरने वाली गौरवपथ के दोनों ओर रिहायशी इलाके एवं व्यवसायिक केंद्र स्थित है। जिसकी वजह से घरों का कचरा एवं गंदा पानी नाली में आकर जमा हो जाता है। इसके अलावा हटरी में लगने वाले सब्जी बाजार के सड़े गले अवशेष भी नाली में डाल दिये जाते है जिसकी वजह से नाली का माहौल काफी दूषित हो चुका है और इसका खामियाजा लोगों को भुगतना पड़ रहा है।नियमित साफ सफाई के अभाव में गंदी नाली की वजह से गौरवपथ के रहवासियों को दुर्गंध के साथ मच्छरों का प्रकोप झेलना पड़ रहा है। इसके अलावा नाली के अवशेष नेशनल हाईवे तक बिखरा हुआ है जिसकी वजह से हमेशा दुर्घटना की संभावना बनी रहती है। इस संबंध में स्थानीय लोगों द्वारा नगर पंचायत एवं वार्ड पार्षदो को अवगत कराने के बाद भी खुली नाली एवं पसरी गंदगी की समस्या दूर नही होने का नाम नही ले रही है। जिसकी वजह से गंदगी एवं दुर्गंध का सामना कर रहे वार्डवासियों में काफी आक्रोश व्याप्त है। वार्डवासियों ने गौरवपथ एवं उसके आसपास खुली पड़ी नालीयों की सफाई एवं उस पर ढ़क्कन लगाने की मांग की है ताकि लोगो को नाली के प्रकोप से मुक्ति मिल सके।

इस संबंध में नगर पंचायत अध्यक्ष प्रेमदान कुजूर ने बताया कि बारिश की वजह से नाली सफाई अभियान प्रभावित हो गया था। बारिश बंद होते ही नाली सफाई अभियान शुरू कराया जायेगा।

महापौर और पार्षदों के लंबित मानदेय का निपटारा करने हाईकोर्ट ने दिया आदेश

अंबिकापुर। नगर निगम के पूर्व महापौर और पार्षदों के लंबित मानदेय को लेकर छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने गाइडलाइंस जारी करते हुए इस मामले के निपटारे का आदेश जारी किया है। 2019 से 2025 की अवधि तक के निगम कार्यकाल के चुने हुए महापौर और पार्षदों का मानदेय जून 2023 से लंबित है। इस बीच जनवरी 2025 में इस अवधि के महापौर और पार्षदों के कार्यकाल भी समाप्त हो गया। मानदेय का भुगतान नहीं होने के कारण महापौर एवं कांग्रेस से जुड़े 21 पार्षदों ने छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी। इसपर उच्च न्यायालय ने 28 नवंबर को आदेश जारी किया था। याचिका की बहस के दौरान नगर पालिका निगम के अधिवक्ता ने यह तर्क दिया था कि पूर्व महापौर और पार्षदों ने उन महीनों के हिसाब नहीं दिया है जिनका मानदेय नहीं दिया गया है। सभी पक्षों को सुनने के बाद उच्च न्यायालय ने यह आदेश दिया कि सभी पिटीशनर जिनमें पूर्व महापौर और पार्षद शामिल हैं आदेश के 2 सप्ताह के अंदर निगम अम्बिकापुर के समक्ष मानदेय नहीं मिलने वाली अवधी का हिसाब देंगे और निगम अम्बिकापुर हिसाब प्राप्त होने के 3 माह के अंदर राज्य सरकार के नोटिफिकेशन दिनांक 12 मई 2022 के हिसाब से निपटारा करें। जिसपर याचिकाकर्ता महापौर और पार्षदों ने 11 दिसंबर को आयुक्त, नगर निगम अम्बिकापुर को अपने बकाया मानदेय विवरण दे दिया है।

- वर्ष 2022 से लंबित है पूर्व मेयर और पार्षदों का वेतन

लगभग डेढ़ करोड़ का मानदेय है अटका- निगम अम्बिकापुर के द्वारा निगम के पूर्व कार्यकाल ने जून 2023 से जनवरी 2025 तक पार्षदों और महापौर को मानदेय भुगतान नहीं किया गया है। इस अवधि के लिए निगम के 47 पार्षदों और महापौर का कुल 1.43 करोड़ का मानदेय बकाया है। उच्च न्यायालय के द्वारा जिन 22 याचिकाकर्ता पार्षदों और महापौर के लिये आदेश जारी किया है उन्हें आगामी 3 माह में 67 लाख का भुगतान करना होगा।

गुणवत्ता पखवाड़ा में बिश्रामपुर क्षेत्र ने हासिल किया द्वितीय स्थान

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिश्रामपुर

एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र ने बेहतर

- दीपका में आयोजित समापन कार्यक्रम में डीपी ऑपरेशन ने बिश्रामपुर टीम को पुरस्कार देकर किया सम्मानित

टीमवर्क,मजबूत प्रबंधन और गुणवत्तापूर्ण कार्यशैली के दम पर बड़ी उपलब्धि हासिल की है,क्षेत्रीय महाप्रबंधक डॉ संजय कुमार सिंह के नेतृत्व में बिश्रामपुर क्षेत्र ने गुणवत्ता पखवाड़ा 2025 के समापन समारोह में अपने वर्ग में द्वितीय पुरस्कार हासिल कर लिया है।

यह सम्मान निदेशक तकनीकी संचालन एन फ्रेंकलिन जयकुमार द्वारा दीपका में आयोजित समापन कार्यक्रम में प्रदान किया गया है,ज्ञात हो कि कार्यस्थल पर सुरक्षा मानकों के पालन,उत्पादन के साथ गुणवत्ता संतुलन, मशीनों की मेंटेनेंस, कर्मचारियों की भागीदारी और नवाचार की दिशा में किए गए प्रयास इन सभी मोर्चों पर बिश्रामपुर क्षेत्र ने इस वर्ष उल्लेखनीय बढ़त बनाई है,गुणवत्ता पखवाड़े में टीम ने कार्यप्रवाह सुधार,तकनीकी समस्या समाधान, वर्कशॉप मॉनिटरिंग और प्रोसेस ऑप्टिमाइजेशन पर विशेष फोकस किया,जिसका असर सीधे उत्पादकता और प्रदर्शन पर दिखा,पुरस्कार ग्रहण करते हुए क्षेत्रीय महाप्रबंधक डॉ संजय कुमार सिंह ने कहा कि यह सम्मान बिश्रामपुर की पूरी टीम की मेहनत का परिणाम है,हमने हमेशा गुणवत्ता और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है और आगे भी यही हमारी दिशा रहेगी जिसमें जोखिमों का समय रहते मूल्यांकन करना,कर्मचारियों को निर्णय में भागीदारी देना तथा तकनीकी प्रक्रियाओं को सरल बनाना मुख्य रूप से शामिल है।

रासेयो स्वयं सेवकों ने चलाया सफाई अभियान

बिहारपुर। स्वच्छता ही सेवा के तहत शासकीय नवीन महाविद्यालय की रासेयो योजना इकाई द्वारा सफाई अभियान चलाकर साफ-सफाई की गई। अभियान के तहत स्वयंसेवकों ने मुख्य चौराहा एवं पुलिस थाने के मुख्य मार्ग की सफाई की। इस दौरान स्वयंसेवकों ने पुलिस थाना प्रांगण व मुख्य सड़क के दोनों ओर स्थित दुकानों के आसपास के कचरे की सफाई की तथा दुकानदारों को परिसर के आसपास के क्षेत्र को स्वच्छ रखने का संदेश दिया। चौराहे पर स्वयंसेवकों ने जगह-जगह बिखरे प्लास्टिक के टुकड़ों व पॉलिथीन की थैलियों को एकत्र किया तथा लोगों को स्वच्छता का ध्यान रखने का संदेश दिया।

वाटरशेड महोत्सव अंतर्गत कराई गई प्रतियोगिता

सोनगरा। प्रतापपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत झींगादोहर में कृषि विभाग द्वारा संचालित प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (जलग्रहण विकास घटक 2.0) अंतर्गत वाटरशेड महोत्सव का आयोजन किया गया। इस दौरान ग्राम करसु एवं श्यामनगर के स्कूलों में प्रभात फेरी, ड्राइंग प्रतियोगिता व जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हुए जिनमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर जल है तो जीवन है का संदेश दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक श्रीमती शकुंतला सिंह पोर्ते शामिल हुई जबकि अध्यक्षता जिपं अध्यक्ष चंद्रमणी पैकरा ने की। इस दौरान विधायक ने 3 कार्यों का लोकार्पण एवं 4 कार्यों का भूमि पूजन किया। ग्रामीणों की सहभागिता से रंगोली प्रतियोगिता आयोजित हुई, जिसमें विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। हितग्राहियों को 1 नग मिनी राइस मिल एवं 2 नग मिनी फ्लोर मिल हितग्राहियों को प्रदान की गई। 25-25 हजार रुपए डीबीटी के लाभार्थियों को चेक दिए गए। कार्यक्रम में जिपं उपाध्यक्ष रेखा राजवाड़े, सभापति कृषि स्थाई समिति लवकेश पैकरा, पूर्व जिला उपाध्यक्ष लाल संतोष सिंह, जनपद सदस्य शिवनंदन पैकरा, सरपंच सोनामनी अगरिया, मंडल अध्यक्ष मुकेश सिंह, मंडल उपाध्यक्ष शरद चंद्र द्विवेदी, गोपाल शरण सिंह, मीना श्रीवास्तव, हिमांशु सिंह, राजू शर्मा, अनुराग द्विवेदी, आशीष दुबे, किरण गुप्ता, अशोक प्रजापति, सोहरसाय पैकरा, मनीष मिश्रा, अंकुर पटेल, संजय मिश्रा, सुजीत मेहता, विकास तिवारी, पूरन राजवाड़े, धनेश्वर राजवाड़े, रामदुलार सिंह, भुनेश्वर सिंह, शोभनाथ अगरिया, शिव सिंह, मंडल संयोजक रंजय सिंह, एवीएफओ सुबोध कुमार, पटवारी राजालाल आदि उपस्थित रहे।

अनियंत्रित ट्रेलर गड्ढे में गिरा, चालक गंभीर

अम्बिकापुर। अम्बिकापुर-बिलासपुर राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 130 पर एक ट्रेलर अनियंत्रित होकर पुलिया से गड्ढे में गिर गया। दुर्घटना में ट्रेलर चालक गंभीर रूप से घायल हो गया है। ट्रेलर क्रमांक सीजी 15 डीएन 8999 का चालक कोयला लोड करने करजी से परसा केते कोल लोडिंग पाइंट की ओर जा रहा था। चालक जैसे ही लखनपुर के जूनाडीह स्थित चुल्हट पुलिया पर पहुंचा विपरीत दिशा से तेज गति से आ रहे ट्रक चालक द्वारा कट मारने से ट्रेलर अनियंत्रित होकर गड्ढे में गिर गई। दुर्घटना में चालक गंभीर रूप से घायल हो गया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल चालक को बाहर निकाला तथा अस्पताल भेजा।

तहसीलदार राठिया ने स्कूली बच्चों को बांटा स्वेटर

रामानुजनगर। प्राथमिक शाला उरांवपारा मदनेश्वरपुर के प्रधानपाठक संजय साहू के प्रयास से तहसीलदार मनहरन सिंह राठिया द्वारा विद्यालय के 40 बच्चों को और जय ड्रेसेस कल्याणपुर के संस्थापक रामचंद्र द्वारा 30 बच्चों को स्वेटर वितरण किया। जिले मे जहां कडाके की ठण्ड पड़ रही है ऐसे तहसीलदार द्वारा एक अच्छा पहल करते हुए न सिर्फ बच्चों के बीच पहुंचे बल्कि अपना बचपन याद किया।

प्रधान पाठक द्वारा जब तहसीलदार को बच्चों के बीच आमंत्रित किया गया तो उन्होंने स्वयं से इच्छा जाहिर किया और बच्चों को स्वेटर वितरण किया। विद्यालय में बच्चों की संख्या अधिक है ऐसे मे प्रधानपाठक द्वारा जय ड्रेसेस के संस्थापाक से बात किया गया और बच्चों हेतु कुछ करने हेतु प्रोत्साहित किया गया ऐसे मे रामचंद्र साहू द्वारा भी 30 नग स्वेटर दिया गया। वहीं विद्यालय मे पूर्व में पदस्थ सहायक शिक्षक हीरा लाल कश्यप द्वारा उनकी शादी के उपलक्ष्य पर न्योता भोज का आयोजन किया गया। तहसीलदार और विकासखंड शिक्षा अधिकारी द्वारा पौधारोपण कर कार्यक्रम की शुरुवात की गई। इस दौरान संकुल प्राचार्य बंशबली हितकर, जनप्रतिनिधि ऋषि दुबे, सरपंच मदनेश्वरपुर, बृजराम साहू, संकुल समन्वयक राजुदूबे, हीरालाल कश्यप, रामकृपाल साहू, शोभारनी किसपोट्टा, एनिमा बेक सहित अन्य उपस्थित थे।

मांगे पूरी नहीं होने पर रेलवे संघर्ष समिति करेगी चरणबद्ध आंदोलन

अंबिकापुर-निजामुद्दीन एक्सप्रेस के बिश्रामपुर स्टॉपेज को लेकर कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिश्रामपुर

सरगुजा संभाग के सबसे पुराने रेलवे स्टेशन बिश्रामपुर में अंबिकापुर–निजामुद्दीन एक्सप्रेस ट्रेन क्रमांक 22407/22408 के ठहराव को लेकर आज शुक्रवार को बिश्रामपुर रेलवे संघर्ष समिति द्वारा कलेक्टर को भी ज्ञापन सौंपा गया है, ज्ञापन में उल्लेख किया है कि बिश्रामपुर स्टेशन न केवल ऐतिहासिक महत्व रखता है, बल्कि यह सरगुजा संभाग का एकमात्र गुड्स शेड भी है, जहां प्रतिदिन भारी मात्रा में आवश्यक सामग्रियों की रैक लगती हैं।

यह स्टेशन कभी पूरे संभाग का अंतिम स्टेशन हुआ करता था, जिसके वर्षों बाद अंबिकापुर तक रेल लाइन का विस्तार हुआ,बावजूद इसके बिश्रामपुर स्टेशन को आज भी उचित महत्व नहीं मिल पा रहा है,ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र में संचालित कोयला खदानों में कार्यरत देश के विभिन्न राज्यों से आए हजारों कर्मचारी बिश्रामपुर व आसपास में निवासरत हैं,दिल्ली सहित उत्तर भारत, मध्य भारत व अन्य राज्यों के लिए नियमित रेल सेवा की आवश्यकता सबसे अधिक इन्हीं को पड़ती है।

अंबिकापुर–निजामुद्दीन एक्सप्रेस सरगुजा को राजधानी दिल्ली से जोड़ने वाली इकलौती सुविधा है, ऐसे में इसका बिश्रामपुर में ठहराव न होना स्थानीय जनता के लिए बड़ी समस्या बना हुआ है,ज्ञापन में यह भी उल्लेखित है कि वर्षों से मांग उठाए जाने के बावजूद रेलवे विभाग की उदासीनता के चलते अब तक ठहराव स्वीकृत नहीं किया गया है,ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि यदि निजामुद्दीन ट्रेन का बिश्रामपुर स्टेशन में जल्द ही ठहराव की मांग पूरी नहीं की गई तो संघर्ष समिति की अगुवाई में स्थानीय नागरिक चरणबद्ध तरीके से आंदोलन करेंगे,ज्ञापन सौंपने वालों में राज्य उपभोक्ता संरक्षण परिषद के सदस्य सुभाष गोयल,रमेश दनौदिया, अधिवक्ता प्रदीप गर्ग,चैम्बर ऑफ कॉमर्स के प्रदेश उपाध्यक्ष अशोक अग्रवाल,चन्दन सिंह,जतीन तायल, नगर पंचायत अध्यक्ष निर्मला यादव, उपाध्यक्ष दीपेंद्र सिंह चौहान,राजेश यादव व अन्य उपस्थित थे।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत

अम्बिकापुर। लखनपुर थानान्तर्गत ग्राम अमदला शंकर घुटरा के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। सूचना पर पुलिस मामले में मर्ग कायम कर आरोपी वाहन चालक को तलाश रही है। पुलिस के अनुसार ग्राम बंधा निवासी इमरान खान पिता जाफिरूल खान कुछ दिनों पूर्व अपने नहिहाल ग्राम खाला गया था तथा बुधवार को सुबह बाइक से अपने घर बंधा के लिए निकला था। जैसे ही वह अमदला शंकरघुटरा के पास पहुंचा अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल होने के कारण से उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजन की सूचना पर पुलिस ने मामले में मर्ग कायम किया है।

'ना तो कारवां की तलाश' नया नहीं, 1960 का पुराना गाना है

मुंबई। फिल्ममेकर आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर' का जादू हर तरफ छाया हुआ है, जिसमें रणवीर सिंह, संजय दत्त, अक्षय खन्ना, आर माधवन और अर्जुन रामपाल लीड रोल्स में हैं। फिल्म को दर्शकों से काफी प्यार मिल रहा है और यही नहीं, फिल्म की बाकी बातों की तरह इसके गानों को भी उतना ही पसंद किया जा रहा है। लोग सबसे ज्यादा तो रणवीर सिंह के एंट्री सॉन्ग 'ना तो कारवां की तलाश है' की बात कर रहे हैं। इस गाने पर खूब रील्स भी कट रहे हैं। धुरंधर में रणवीर सिंह की एंट्री पर बजने वाला गाना 1960 की हिंदी क्लासिक फिल्म 'बरसात की रात' का कव्वाली सॉन्ग 'ना तो कारवां की तलाश है' है। इस फिल्म का निर्देशन पी. एल. संतोषी ने किया था और इसमें भरत भूषण और मधुबाला लीड रोल्स में थे।

लाइफ Style

ऋचा

चाहती थीं काम करना, शरीर और मन नहीं था तैयार

एजेंसी ▶▶ मुंबई

ऋचा चड्ढा आखिरी बार साल 2023 में आई फिल्म 'फुकरे 3' और पिछले साल आई वेब सीरीज 'हीरामंडीः द डायमंड बाजार' में दिखाई दीं। पिछले साल जुलाई में ही उन्होंने बेबी गर्ल को जन्म दिया. तबसे उन्होंने काम नहीं किया और बेबी के साथ ही वक्त बिता रही हैं। अब उन्होंने एक भावुक नोट शेयर किया है।

ऋचा चड्ढा ने मां बनने के बाद अपने जीवन में आए इमोशनल, फिजिकल और प्रोफेशनल चैलेंजेस के बारे में खुलकर बात की है। उन्होंने लगभग दो साल बाद काम पर लौटने की अपनी जर्नी को भी साझा किया है। उन्होंने ईमानदारी और बेबाकी के मैटरनिटी और एंटरटेमनेंट की दुनिया की सच्चाइयों को बिना किसी लाग-लपेट के सामने रखा है। ऋचा चड्ढा अपने इंस्टाग्राम पर तस्वीरों के साथ-साथ नोट भी लिखा है। उन्होंने नोट में काम पर लौटने की मुश्किलों का जिक्र किया है। उन्होंने माना कि भले ही वह जल्दी लौटना चाहती थीं, लेकिन उनका शरीर और मन इसके लिए तैयार नहीं था। उन्होंने बच्चे के जन्म के बाद मानसिक रूप से धीरे-धीरे और जटिल तरीके से उबरने की बात कही। ऋचा चड्ढा ने यह भी बताया कि एक नई मां को खुद को फिर से खोजने के लिए किस तरह के सपोर्ट सिस्टम की जरूरत होती है। ऋचा ने इस संवेदनशील दौर में अपने पेशेवर जीवन में झेली गई तकलीफों का भी जिक्र किया, जिसमें उन्होंने इंडस्ट्री में विश्वासघात और नैतिकता की कमी को लेकर खुलकर बात की। ऋचा चड्ढा का पोस्ट सोशल मीडिया पर सार्वजनिक हस्तियों, खासकर नई मांओं पर कंटेंट बनाने के दबाव की भी आलोचना करता है।

हॉलीवुड मसाला

स्ट्रीट फाइटर का पहला लुक आया सामने

लॉस एंजिल्स। विद्युत जामवाल फिल्म 'स्ट्रीट फाइटर'से हॉलीवुड में अपने डेब्यू के लिए तैयार हैं। अब फिल्म से उनका पहला लुक सामने आया है। अपने फर्स्ट लुक में विद्युत बाल्ड लुक में काफी दमदार नजर आ रहे हैं। उनका ये लुक रिवील होते ही सोशल मीडिया पर भी छाया हुआ है। लोकप्रिय वीडियो गेम पर आधारित फिल्म 'स्ट्रीट फाइटर'में विद्युत जामवाल योगी धल्सिम की भूमिका में नजर आएंगे। अब उनका पहला लुक सामने आया है। इस लुक में विद्युत बाल्ड (गंजे) नजर आ रहे हैं। फर्स्ट लुक में विद्युत मार्शल आर्ट की एक पोजिशन में नजर आ रहे हैं। वो हाथों, पैरों, गले और कानों में अजीब से भारी आभूषण पहने हुए हैं। सिर और चेहरे पर लाल रंग से लाइनें भी बनी हुई हैं।

एक्शन अंदाज में नजर आईं मिली एल्कॉक

लॉस एंजिल्स। डीसी स्टूडियोज की नई फिल्म 'सुपरगर्ल' अगले साल सिनेमाघरों में रीलिज होगी। हाल ही में इस फिल्म का टीजर-ट्रेलर मेकर्स ने रिलीज किया है। एक्शन से भरपूर इस टीजर ने फिल्म को लेकर एक्साइटमेंट बढ़ा दी है। टीजर-ट्रेलर की शुरुआत एक आम टीनएज लड़की से होती है, जिसकी जिंदगी काफी अस्त-व्यस्त है। लेकिन, परिस्थिति कुछ ऐसी बनती हैं कि उसे अपनी सुपरपावर का इस्तेमाल करना पड़ता है, बुरे लोगों से दुनिया को बचाना पड़ता है। इस काम में उसकी मदद एक अनजान लड़की भी करती है। फिल्म 'सुपरगर्ल' को क्रेग गिलेस्पी ने निर्देशित किया है। फिल्म के टीजर-ट्रेलर के साथ मेकर्स ने रिलीज डेट भी शेयर की है। अगले साल यह फिल्म रिलीज होगी। इस रिलीज की तारीख जून 2026 है। फिल्म 'सुपरगर्ल' में भी 'सुपरमैन' के लेवल का एक्शन और वीएफएक्स देखने को मिल रहा है। विलेन भी काफी खूंखार नजर आ रहे हैं। बैकग्राउंड स्कोर भी एक्शन सीन्स पर परफेक्ट बैठ रहा है।

बॉर्डर 2 का टीजर 16 दिसंबर को होगा रिलीज

मुंबई। सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी स्टारर 'बॉर्डर 2' का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अब फिल्म के टीजर रिलीज को लेकर बड़ी जानकारी सामने आई है। साल 2026 की मच अवेटेड फिल्मों में शामिल 'बॉर्डर 2' का टीजर 16 दिसंबर को विजय दिवस के मौके पर रिलीज किया जाएगा। टीजर की रिलीज डेट घोषित करते हुए मेकर्स की ओर से फिल्म का एक नया पोस्टर भी जारी किया गया है। इस पोस्टर में फिल्म के चारों नायक सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी सेना की वर्दी में नजर आ रहे हैं। अलग-अलग जारी किए गए किरदारों के पोस्टर्स के बाद फिल्म को लेकर दर्शकों में उत्साह पैदा हो गया है। अब मेकर्स ने एक साथ चारों किरदारों की झलक दिखाई है। इस पोस्टर के सामने आने के बाद फिल्म को लेकर दर्शकों में उत्साह और भी बढ़ गया है।

फोर मोर शॉट्स प्लीज के चौथे सीजन का आया ट्रेलर

मुंबई। ओटीटी की लोकप्रिय महिला-केंद्रित सीरीज 'फोर मोर शॉट्स प्लीज' एक बार फिर अपने दर्शकों से मुखातिब होने को तैयार है। चौथा और फाइनल सीजन का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है और इसे देखकर साफ हो जाता है कि इस बार कहानी सिर्फ ग्लैमरस नाइट-लाइफ, रिश्तों और दिल टूटने तक सीमित नहीं रहने वाली, बल्कि इस बार बात पर्सनल लड़ाइयों तक जा पहुंची है। इस बार ट्रेलर में काफी कुछ खास देखने को मिलेगा। अमेजन प्राइम वीडियो पर 19 दिसंबर को स्ट्रीम होने वाली इस सीरीज में सिद्धि, उमंग, दामिनी और अंजना अपने जीवन के उस मोड़ पर खड़ी नजर आती हैं, जहां उन्हें यह स्वीकार करना पड़ता है कि अब बदलाव जरूरी है। ट्रेलर में चारों दोस्त खुद को सुधारने के लिए छह महीनों की चुनौती लेती दिखती हैं।

टीवी मसाला

केबीसी में 25 लाख रुपए के सवाल पर गोल्ड मेडलिस्ट ने भी मानी हार

नई दिल्ली। 'कौन बनेगा करोड़पति 17' के एक एपिसोड की शुरुआत रोलओवर कंटेस्टेंट शीतल के साथ हुई जो कृषि विज्ञान से जुड़े फील्ड में गोल्ड मेडलिस्ट हैं। उन्होंने बिग बी द्वारा पूछे गए शुरुआती दस सवालों का बड़े अच्छी से जवाब दिया और सुपर संदूक राउंड में 8 सवालों का सही जवाब देकर अपनी लाइफलाइन 'ऑडियंस पोल' जिंदा कर दी है। अमिताभ बच्चन ने कंटेस्टेंट शीतल से कंटेस्टेंट 12.50 लाख रुपए के 12वें सवाल फंस गई थीं। हालांकि, उन्होंने अपनी बची दोनों लाइफलाइन 50-50 और संकेत सूचक का इस्तेमाल किया और जोखिम उठाते खेल जारी रखा। बिग बी ने कंटेस्टेंट से सवाल पूछा, 'टेस्ट शतक बनाने वाली पहली भारतीय महिला क्रिकेटर कौन हैं, जो टेस्ट टीम की पहली कप्तान भी थीं?' विकल्प हैं- ए. डायना एडुल्जी, बी. शांता रंगस्वामी, सी. नीतू डेविड, डी. शुभांगी कुलकर्णी। कंटेस्टेंट ने रिस्क उठाते हुए विकल्प बी. शांता रंगस्वामी को चुना, जो सही है। बिग बी ने फिर कंटेस्टेंट से 25 लाख रुपए का 13वां सवाल पूछा, 'आइसैक न्यूटन ने 1687 में अपनी रचना, 'प्राकृतिक दर्शन के गणितयी सिद्धांत'किस भाषा में प्रकाशित की थी?' विकल्प हैं- ए. यूनानी, बी. फ्रेंच, सी. लैटिन, डी. अंग्रेजी। कंटेस्टेंट शीतल ने इस सवाल पर गेम क्विट कर दिया और 12.50 लाख रुपए जीतकर घर लौटीं। इस सवाल का सही जवाब है- लैटिन।

'क्योंकि सास' में होगी नए चेहरे की एंट्री

नई दिल्ली। स्टार प्लस के सीरियल क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2 में अब शो में एक नए चेहरे की एंट्री होने जा रही है। शो में छह साल के लीप की बात भी बरखा बिष्ट ने कंफर्म की है। शो में नए चेहरे और 6 साल के लीप के बाद फैंस को बहुत सारे ट्विस्ट और टर्न देखने को मिल सकते हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो शो में संदीप बसवान की एंट्री हो सकती है। संदीप की एंट्री शो में साहिल वीरानी के रूप में होगी। एक रिपोर्ट के मुताबिक, संदीप बसवान शो में नए ट्विस्ट और टर्न लेकर आएंगे। संदीप बसवान शो के पहले सीजन का भी हिस्सा थे। सीजन 2 में उनके रिटर्न को लेकर फैंस काफी उत्साहित हैं। हालांकि, मेकर्स या संदीप की तरफ से इस बात का कोई कंफर्मेशन नहीं आया है। रिपोर्ट्स की मानें तो क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2 में लीप के बाद अंगद और वृंदा का पेरेंटहुड दिखाया जाएगा। दोनों के दो बच्चे दिखाए जाएंगे। वहीं, मिहिर और तुलसी के बीच दूरी भी देखने को मिलेगी। शो का जो नया प्रोमो आया है उसमें दिखाया गया कि तुलसी अंगद और वृंदा के साथ चॉल में रह रही होगी।

सस्पेंस-थ्रिलर से लेकर कॉमेडी-रोमांस तक ओटीटी पर रिलीज हुआ एंटरटेनमेंट का सुपरडोज

नई दिल्ली। दिसंबर का दूसरा शुक्रवार ओटीटी दर्शकों के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं। साल के आखिर में जहां प्लेटफॉर्म्स अपनी सबसे मजबूत लाइनअप सामने ला रहे हैं, वहीं 12 दिसंबर को एक ही दिन में पांच दमदार रिलीज ने वीकेंड को पहले से एक्साइटेड बना दिया है। नेटफ्लिक्स से लेकर जी 5 और जियो हॉटस्टार तक- हर प्लैटफॉर्म ने ऐसा कंटेंट पेश किया है जो मनोरंजन के अलग-अलग टेस्ट को पूरा करता है। सस्पेंस, कॉमेडी, फैमिली ड्रामा, इमोशन्स और रोमांच- इस बार की लिस्ट में सबकुछ देखने को मिल रहा है।

वेक अप डेड मैनः ए नाइल्स आउट मिस्ट्री

डेनियल क्रेग की वापसी के साथ नाइव्स आउट सीरीज का नया अध्याय दर्शकों में रोमांच भरने के लिए तैयार है। यह कहानी एक ऐसे धार्मिक समुदाय में होने वाली हत्या के इर्द-गिर्द बुनी गई है, जो पहली नजर में भले ही शांत दिखे, लेकिन भीतर कई रहस्यों को छिपाए बैठा है। जासूस बेनोइट ब्लांक इस बार एक युवा पादरी के साथ मिलकर उस पहेली को सुलझाने निकलता है जो असंभव लगती है। अनोखे किरदार, तनाव और चौंका देने वाले मोड़ों के कारण यह फिल्म मिस्ट्री प्रेमियों के लिए परफेक्ट वॉच है। ये फिल्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो चुकी है।

कांता

1950 के दशक का मद्रास, बदलते सामाजिक ढांचे का दौर और उसके बीच पैदा हुआ रचनात्मक तनाव- 'कांता' अपनी पृष्ठभूमि और प्रस्तुति के कारण एक अलग ही दुनिया में ले जाती है। दुलकर सलमान, राणा दग्गुबाती और समर्थ कलाकारों की टोली इस पीरियड मिस्ट्री को ऊंचाई देती है। फिल्म उद्योग की प्रतिस्पर्धा से शुरू होने वाली कहानी जल्द ही एक स्याह मोड़ लेती है जब हत्या की गुत्थी खुलती है। विंटेज अंदाज और रहस्य का मिश्रण इसे विशेष बनाता है।

सिंगल पापा

हल्की-फुल्की कॉमेडी और इमोशनल टच चाहने वालों के लिए यह नई सीरीज काफी अच्छी साबित होने वाली है। कुणाल खेमू एक ऐसे व्यक्ति की भूमिका में हैं, जिसकी जिंदगी तलाक के बाद अचानक करवट लेती है- जब वह एक बच्चे को गोद ले लेता है। बेपरवाह और बचकाने स्वभाव वाला गौरव गेहलोत जब पेरेंटिंग की जिम्मेदारियों में घिरता है, तो परिवार की प्रतिक्रियाएं और हालात मजेदार भी बनते हैं और भावुक भी। रिश्तों, जिम्मेदारियों और नए आरंभ की यह कहानी दिल को छूने वाली है। ये सीरीज नेटफ्लिक्स पर दस्तक दे चुकी है।

कुछ हद तक हंसाती है कपिल की फिल्म 'किस किसको प्यार करूं 2'

नई दिल्ली। सोचिए अगर एक ही आदमी मोहन, महमूद, माइकल और मंजीत चार किरदार निभाए, चार धर्मों में अलग-अलग बीवियां रखे तो उसका हश्र क्या होगा? बस इतनी कहानी है फिल्म 'किस किसको प्यार करूं 2' की। फिल्म की शुरुआत होती है भोपाल शहर के रहने वाले मोहन शर्मा (कपिल शर्मा) से जो सानिया (वरीना) से बेहद प्यार करता है। सानिया से शादी करने के चक्कर में मोहन के सामने ऐसी-ऐसी सिचुएशन आती है कि उसे रूही (आयशा खान), मीरा (त्रिधा चौधरी) और जेनी (पारुल गुलाटी) से भी शादी करनी पड़ जाती है। अब अंत में मोहन अपना असली प्यार कैसे पाता है? यह आपको फिल्म देखकर पता चलेगा।

कैसा है अभिनय ?

कपिल शर्मा कॉमेडी तो कर सकते हैं पर एक्टिंग में सिर्फ कॉमेडी नहीं करनी होती, यह उन्हें समझना होगा। हालांकि, उनका काम पहले से बेहतर है पर रोमांटिक गानों और इमोशनल सीन में वो फीके लगते हैं। हां, कॉमिक टाइमिंग और पंच मारने में उन्हें कोई टक्कर नहीं दे सकता। इसमें कोई दो राय नहीं हैं कि उन्होंने यह फिल्म अपने कंधों पर संभाली है। चार हीरोइन वाली इस फिल्म में आयशा और त्रिधा का काम अच्छा है। पारुल कहीं-कहीं फीकी रहीं। वरीना के तो एक्सप्रेश पूरी फिल्म में गायब ही रहे। मनजोत ने इस फिल्म को बखूबी संभाला है। अखिलेंद्र मिश्रा और विपिन शर्मा जैसे मंझे हुए कलाकार भी इस फिल्म के संभालते हैं। सुशांत का रोल छोटा है पर उनका काम ठीक है। असरानी के कुल चार सीन हैं और उन्हें देखकर अच्छा लगता है। पूरी फिल्म में जैमी लीवर की ओवरएक्टिंग और एक ही टोन इरिटेट करती है।

क्या बेहतर ?

यह फिल्म चार धर्मों की बात करती है पर कहीं भी ऐसा डायलॉग या सीन नहीं है जो किसी धर्म को आहत करे। यह कमाल राइटर का है। फिल्म में कपिल शर्मा, मनजोत सिंह, विपिन शर्मा, अखलेंद्र मिश्रा जैसे कलाकार आपको हंसाते हैं। कुछ पंच और कुछ सीन अच्छे बन पड़े हैं। एक गाना छोड़ दें तो परिवार के साथ इस फिल्म के देख सकते है। फिल्म के लास्ट सीन में आपके लिए एक सरप्राइज है, जो अच्छा है।

100वीं फिल्म 'श्री राघवेंद्र' थी, जिसमें उन्होंने हिंदू संत राघवेंद्र स्वामी का किरदार अदा किया

जब बस कंडक्टर को हुआ एमबीबीएस स्टूडेंट से प्यार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

साल 1975 में जब सिनेमाघरों में कल्ट फिल्म शोले रिलीज हुई थी। ठीक उसी दिन 15 अगस्त 1975 को भारतीय सिनेमा में एक ऐसे शख्स ने कदम रखा था, जो इससे पहले बस कंडक्टर का काम करता था। उस वक्त किसी को नहीं पता था कि आगे चलकर ये एक्टर हिंदी सिनेमा का सबसे बड़ा सुपरस्टार रजनीकांत बन जाएगा।

मराठी परिवार में हुआ जन्म

रजनीकांत का जन्म 12 दिसंबर 1950 को एक मराठी परिवार में हुआ था। उनके पिता पुलिस हेड कांस्टेबल थे। फिल्म इंडस्ट्री में आने से पहले रजनी का नाम शिवाजी राव गायकवाड़ था। रजनी जब महज चार वर्ष के थे तब उनके सिर से मां का साया हट गया। घर की आर्थिक स्थिति खराब थी। इस वजह से रजनीकांत को बचपन में कई संघर्षों से गुजरना पड़ा।

के. बालचंद्र ने पहचानी रजनी की प्रतिभा

एक्टिंग सीखने के दौरान ही रजनीकांत की मुलाकात दिग्गज फिल्म निर्देशक के. बालचंद्र से हुई। के. बालचंद्र ही वो निर्देशक हैं, जिन्होंने रजनीकांत की प्रतिभा को पहचाना और उन्हें पहली बार अपनी फिल्म में मौका दिया। के. बालचंद्र ने ही शिवाजी राव गायकवाड़ को रजनीकांत नाम दिया। रजनीकांत का नामकरण 27 मार्च 1975 को होली के मौके पर हुआ था और दिन था गुरुवार। जिसे रजनीकांत अपने लिए शुभ मानते थे।

पहली फिल्म में निभाई निगेटिव भूमिका

रजनीकांत ने साल 1975 में आई फिल्म 'अपूर्व रागंगल' से फिल्मी दुनिया में कदम रखा। यह फिल्म 15 अगस्त 1975 को रिलीज हुई थी, जिस दिन हिंदी सिनेमा की कल्ट फिल्म शोले भी रिलीज हुई थी। उस वक्त रजनीकांत की उम्र 25 वर्ष थी। डेब्यू फिल्म में वे एक छोटी सी निगेटिव भूमिका में दिखाई दिए। कुछ वक्त तक इसी तरह के रोल किए। इसके बाद उनके पास लीड रोल का ऑफर आना शुरू हो गया और देखते ही देखते वे इस कदर सफलता की सीढ़ियां चढ़ते गए कि आज फैंस उन्हें भगवान का दर्जा देते हैं। फिल्मी दुनिया में रजनीकांत का क्या कद है, यह दुनिया जानती है।

अमिताभ बच्चन के साथ की बॉलीवुड में शुरुआत

दक्षिण सिनेमा में कॅरियर शुरू करने के करीब आठ साल बाद रजनीकांत ने बॉलीवुड का रुख किया। उनकी पहली हिंदी फिल्म 'अंधा कानून' थी। साल 1983 में रिलीज हुई इस फिल्म में रजनीकांत ने हेमा मालिनी, अमिताभ बच्चन, प्राण, अमरीश पुरी और डैनी डेंगजोंग्पा जैसे कलाकारों के साथ काम किया है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जबर्दस्त रही। इसने बजट से करीब चार गुना अधिक कारोबार किया है।

फिल्मों में आने से पहले थे बस कंडक्टर

फिल्मों में आने से पहले रजनीकांत का जीवन काफी संघर्षमय था। फिल्मों में आने से पहले रजनीकांत एक कुली और बस कंडक्टर रह चुके हैं। उन्होंने ऑफिस बॉय के रूप में भी नौकरी की। हालांकि, बस कंडक्टर रहते हुए रजनी के टिकट बेचने का तरीका काफी स्टाइलिश था, जिसकी वजह से वो यात्रियों और बस ड्राइवर्स व कंडक्टरों में काफी मशहूर भी थे।

निम्मी के प्यार में थे 'थलाइवा'

हीरो बनने से पहले जब रजनीकांत बस कंडक्टर थे, उस वक्त वो एक लड़की के प्यार में थे। लड़की का नाम निर्मला था, लेकिन रजनीकांत उन्हें प्यार से निम्मी बुलाते थे। रजनीकांत ने अपनी बायोग्राफी 'द नेम इज रजनीकांत'में इस किस्से का जिक्र किया है। रजनीकांत आज जो भी हैं, वो निम्मी की वजह से ही हैं। निर्मला एमबीबीएस की स्टूडेंट थीं। रजनीकांत अक्सर उनसे मिलते थे। निम्मी ने ही रजनीकांत को अभिनय कोर्स करने के लिए प्रोत्साहित किया था। रजनीकांत, निम्मी के साथ शादी के सपने देखने लगे थे, लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था।

10 साल में कर डालीं 100 फिल्में

रजनीकांत के कॅरियर की गाड़ी चल पड़ी तो उनके पास फिल्मों के भी खूब ऑफर आने लगे। इस बात का अंदाजा इसी से लगा सकते हैं कि अपने कॅरियर के 10 वर्षों में उन्होंने 100 फिल्में पूरी कर डालीं। अभिनेता की 100वीं फिल्म 'श्री राघवेंद्र' थी, जिसमें उन्होंने हिंदू संत राघवेंद्र स्वामी का किरदार अदा किया।

खबर संक्षेप

दुष्कर्म के आरोपी को 20 वर्ष का सश्रम कारावास

कटेली। न्यायालय माननीय अपर सत्र न्यायाधीश फॉस्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट पॉक्सो एक्ट सारंगढ़ अमित राठौर के न्यायालय ने नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को 20 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। में थाना भटगांव के अपराध जो कि विशेष आपराधिक प्रकरण अंतर्गत दरअसल आरोपी उमाशंकर उर्फ कुसु पिता सालिकराम यादव निवासी ग्रामगिरवानी थाना भटगांव जिला सारंगढ़ बिलाईगढ़ स्कूल पढ़ने जा रही 14 वर्ष की नाबालिग को स्कूल छोड़ने की बात कह कर अपनी बाइक में बैठा कर ले गया था और उससे शादी का वादा कर जबरन अनाचार किया। इस तरह कई माह तक आरोपी नाबालिग की अस्मत को लूटता रहा। इस संबंध में बालिका के पिता ने थाने में एफआईआर दर्ज कराया था। जिस पर पुलिस ने अपराध दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार करते हुए रिमांड पर भेज दिया था। इस मामले में कोर्ट ने आरोपी को 20 साल की सजा सुनाई है।

कलेक्टर से धान खरीदी की लिमिट बढ़ाने की मांग

कटेली। जनपद अध्यक्ष ममता ने कलेक्टर से कटेली में धान खरीदी की लिमिट बढ़ाने की मांग की है। सारंगढ़ जनपद क्षेत्र कटेली अंतर्गत स्थित धान उपार्जन केन्द्र में वर्तमान में 890 क्विंटल किसानो से धान खरीदी की लिमिट है जो कि अत्यंत कम है। समिती अनुसार यदि 1500 क्विंटलं प्रति दिवस धान खरीदी न की जाए तो तय समय सीमा में किसानों के सम्पूर्ण धान खरीदी संभव नहीं हो पाएगा। 1500 क्विंटल प्रति दिवस धान खरीदी की लिमिट बढ़ाने की मांग जनपद अध्यक्ष ममता राजीव सिंह ने किया है, जिससे किसानों के सम्पूर्ण धान की खरीदी हो सके एवं धान आवक जो प्रातः 9 बजे से किसानों के धान को मंडी भीतर लाने की अनुमति है ।

पेज 1 का शेष

दो वर्ष से फरार ...

उठने पर मोटरसाइकिल गायब मिली। आसपास खोजबीन के बावजूद कोई सुराग नहीं मिलने पर चोरी की आशंका जताई गई। प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना कांसाबेल में भारतीय दंड संहिता की धारा 379 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया था। विवेचना के दौरान पुलिस ने वर्ष 2023 में ही इस मामले में शामिल दो आरोपियों विशाल भगत एवं विनोद विश्वकर्मा को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की मोटरसाइकिल बरामद कर ली थी। दोनों आरोपियों को उस समय न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया था। मामले का तीसरा आरोपी रितिक कुमार पैंकरा घटना के बाद से ही फरार था। पुलिस लगातार उसकी तलाश कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर सूचना एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस को जानकारी मिली कि आरोपी अपने गृह ग्राम बरटोली, भागलपुर में मौजूद है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घेराबंदी कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया।

नारी शक्ति और ...

के मन में गुरुजनों के प्रति आदर और एक सकारात्मक भय होता था, जिससे वे अनुशासन में रहकर पढ़ाई करते थे। लेकिन आज यदि शिक्षक बच्चों को डांट दें, तो अभिभावक तुरंत शिकायत लेकर स्कूल पहुंच जाते हैं। इस कारण बच्चों में गुरुजनों के प्रति भय और सम्मान कम हुआ है, जिसका असर उनकी पढ़ाई पर पड़ रहा है।₹ वक्ता ने जोर देकर कहा कि बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए शिक्षक का अनुशासन और थोड़ा भय होना अत्यंत आवश्यक है। वही जिला पंचायत सदस्य सुरुचि पैंकरा ने कहा कि सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालयों में यह अभियान मातृशक्ति को जागृत कर समाज में संस्कार आत्म बल और स्वाभिमान की भावनाओं को सशक्त कर रहा है। विशिष्ट अतिथि के रूप में महिला मोर्चा अध्यक्ष शकिला कंवर ने बच्चों के पालन पोषण में मां की अहम भूमिका से परिचित कराया। कार्यक्रम में नारी शक्ति का संकल्प दिलाया गया जिसमे सप्तशक्ति संगम में बड़ी संख्या में माताओं और बहनों ने भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में यह संदेश दिया गया कि नारी शक्ति में अपार क्षमता है और वह हर कार्य करने में सक्षम है। उपस्थित मातृशक्ति ने समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने और बच्चों में भारतीय संस्कारों के बीजारोपण का संकल्प लिया। वही सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेने वाले छात्र छात्राओं को अतिथियों ने पुरस्कृत कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में क्षेत्र भर से भारी संख्या में नारी शक्ति व गणमान्य नागरिक की उपस्थिति रही।

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने शहर में जारी करोड़ों रुपए की परियोजनाओं का किया निरीक्षण

महानगर की तर्ज पर विकसित होता रायगढ़ शहर स्मार्ट सुविधाओं व बड़े प्रोजेक्ट्स से बदल रही तस्वीर

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक राजधानी के रूप में मशहूर रायगढ़ शहर अपनी मूल आत्मा और भावनाओं के साथ स्मार्ट सुविधाओं और बड़े प्रॉजेक्ट्स के साथ छत्तीसगढ़ के अन्य महानगर की तर्ज पर शहर विकास की नई गति पकड़ चुका है। महानगर की तर्ज पर सुविधाओं से लैस और योजनाबद्ध शहर बनाने की दिशा में आज शुक्रवार को प्रदेश के वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक ओपी चौधरी ने नगर निगम क्षेत्र में चल रहे प्रमुख निर्माण कार्यों का विस्तृत निरीक्षण किया। सुबह से कई घंटों तक चला यह दौरा शहर के विभिन्न शहर के हिस्सों में हो रहे विकास के स्तर और प्रगति को परखने पर केंद्रित रहा। राज्य के वित्त मंत्री श्री चौधरी इन दिनों अपने निर्वाचन क्षेत्र रायगढ़ के प्रवास है।

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने नगर निगम क्षेत्र में कई घंटों तक विभिन्न परियोजनाओं का विस्तृत निरीक्षण किया और अधिकारियों को समयबद्ध एवं उच्च गुणवत्ता में कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। वित्त मंत्री ने कहा कि रायगढ़ को महानगर जैसी सुविधाएँ देना हमारी सरकार की शीर्ष प्राथमिकता है। बेहतर सड़कें, सुरक्षित जलस्रोत, आधुनिक मनोरंजन स्थल और मजबूत शैक्षणिक ढांचा, इन्हीं सबके आधार पर भविष्य का विकसित रायगढ़ निर्मित होगा। निरीक्षण के दौरान वित्त मंत्री ने निर्माण की गुणवत्ता को उच्च रखने तथा कार्यों को तेज रफ्तार से आगे बढ़ाने के निर्देश दिए। वित्त मंत्री ने कहा कि रायगढ़ अब अपनी सांस्कृतिक धरोहर और पहचान की मूल अवधारणाओं के साथ केवल विकसित शहर नहींए बल्कि एक भावी महानगर के रूप में आकार ले रहा है। निरीक्षण के दौरान वित्त मंत्री सबसे पहले ईतवारी बाजार स्थित ऑक्सीजोन पहुंचे। शहर के हृदय स्थल में बन रहा यह हरा.भरा आधुनिक उद्यान नागरिकों को स्वच्छ, शांत और सुरक्षित वातावरण प्रदान करेगा। यहां लोग सुबह शाम सैर, योग और व्यायाम जैसी गतिविधियां सहजता से कर सकेंगे। इसके बाद वे नालंदा परिसर पहुंचेए जहां 40 करोड़ रुपए की लागत से अत्याधुनिक लाइब्रेरी का निर्माण तेजी से जारी है। यह लाइब्रेरी विद्यार्थियों और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवाओं के लिए एक शैक्षणिक केंद्र के रूप में विकसित की जा रही हैए जिसमें आधुनिक तकनीक और अंतरराष्ट्रीय स्तर की ई.बुक सुविधा उपलब्ध होगी। इसके बाद मंत्री ने रायगढ़ स्टेडियम में बन रहे सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक का निरीक्षण किया। लगभग साढ़े तीन करोड़ की लागत से तैयार हो रहा यह ट्रैक युवाओं को राष्ट्रीय स्तर की प्रशिक्षण सुविधा उपलब्ध कराएगा। स्टेडियम से आगे बढ़ते हुए उन्होंने 4.5 करोड़ रुपए से बन रहे स्विमिंग पूल की प्रगति भी देखी, जहां आधुनिक तैराकी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इसी क्रम में वे मिट्ठुमुड़ा तालाब के संरक्षण एवं सौंदर्यीकरण कार्य स्थल भी पहुंचे, जहां 3 करोड़ 70 लाख की लागत से तालाब को एक आकर्षक पर्यटन तथा विश्राम स्थल के रूप में बदला जा रहा है। इसके बाद कबीर चौक में तैयार हो रहे 13 करोड़ के दूसरे बड़े ऑक्सीजोन और ऐतिहासिक पहाड़ मंदिर परिसर में प्रस्तावित विकास कार्यों की भी समीक्षा की गई । उन्होंने पहाड़ मंदिर चढ़कर हनुमान मंदिर का दर्शन कर स्थल निरीक्षण किया। पहाड़ मंदिर परिसर को पर्यटन की दृष्टि से और विकसित करने के प्रयासों पर भी चर्चा की गई। शहर में प्रवेश मार्गों पर स्थित ओवरब्रिजों पर हो रहे भित्तिचित्र एवं कलात्मक पेंटिंग कार्य की गुणवत्ता की भी वित्त मंत्री ने सराहना की। जीवनदायिनी केलो नदी संरक्षण और संवर्धन के साथ होंगे चार बड़े काम, जिससे बदलेगी शहर की सूरत निरीक्षण के दौरान वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने रायगढ़ शहर की जीवनदायिनी केलो नदी के संवर्धन और संरक्षण कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने बताया कि नदी के विकास के लिए प्रस्तावित चार बड़े प्रोजेक्ट अब मंजूर हो चुके हैं और जल्द ही शहर में बड़े पैमाने पर जल संरचना का विकास होगा। इनमें 42 करोड़ रुपए की लागत से खर्रा घाट बैराज का निर्माण सबसे महत्वपूर्ण परियोजना है, जो निविदा स्तर पर है। इसके अतिरिक्त पुराने एनीकेट का जीर्णोद्धार 3.50 करोड़, अतरमुड़ा में नया एनीकेट 8 करोड़, तथा नवापाली एनीकेट निर्माण 7.30 करोड़ रुपए की स्वीकृति भी मिल चुकी है। इन सभी परियोजनाओं के लिए एजेंसी चयन हो चुका है और जल्द ही कार्य प्रारंभ होंगे।

नालंदा परिसर बनेगा आधुनिक शिक्षा हब

मरीन ड्राइव में बना नालंदा परिसर न सिर्फ अध्ययन का स्थान होगाए बल्कि ज्ञान आधारित समाज की दिशा में एक बड़ा कदम भी साबित होगा। यहां हजारों किताबों का संग्रह, वैश्विक ई.बुक एक्सेस, चौबीस घंटे हाई स्पीड इंटरनेट, प्रतियोगी परीक्षाओं का संपूर्ण अध्ययन सामग्री, कैरियर गाइडेंस सेमिनार, और बच्चों के लिए अलग किड्स स्टडी जोन उपलब्ध होगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा इस परिसर का भूमिपूजन 3 दिसंबर 2024 को किया गया था।

ऑक्सीजोन, धमनी क्षेत्र में विकसित हो रहा शहर का नया हरित क्षेत्र

शहर के मध्य में विकसित हो रहा यह विशाल ऑक्सीजोन आधुनिक सुविधाओं से युक्त हरा.भरा प्राकृतिक स्थान होगा, जो स्वास्थ्य और वातावरण दोनों के लिए लाभकारी सिद्ध होगा। इसके साथ ही शहर में लगभग 13 करोड़ की लागत से एक और ऑक्सीजोन का निर्माण भी किया जा रहा हैए जो नागरिकों को हरित और स्वच्छ परिवेश प्रदान करेगा।

शहर की छह प्रमुख सड़कें होंगी फोरलेन

रायगढ़ शहर को आधुनिक परिवहन सुविधा देने और ट्रैफिक दबाव कम करने के उद्देश्य से छह महत्वपूर्ण मार्गों को फोरलेन में बदला जाएगा। इनमें ढिमरापुर चौक से पतरापाली जिंदल मार्ग, उर्दना चौक से सर्किट हाउस, रायगढ़ कोतरा नंदेली मार्ग, ढिमरापुर से कोतरा थाना लाइन, टीवी टावर से मेडिकल कॉलेज और रायगढ़ लोईंग, महापल्ली मार्ग शामिल हैं।

मरीन ड्राइव को मिलेगा नया आकर्षक रूप

रायगढ़ की पहचान बन चुके मरीन ड्राइव का सौंदर्यीकरण अब और बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। शनि मंदिर से छठ घाट तक लगभग 30 करोड़ रुपये की लागत से सड़क निर्माण और सौंदर्यीकरण कार्य प्रस्तावित हैंए जो पूरा होने पर शहर का यह क्षेत्र और अधिक आकर्षक और सुरक्षित बन जाएगा। निरीक्षण के दौरान महापौर जीवर्धन चौहान, सभापति डिग्रीलाल साहू, कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी, निगम आयुक्त ब्रजेश क्षत्रिय सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

शासकीय महाविद्यालय तमनार में रक्तदान शिविर

तमनार। राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई शासकीय महाविद्यालय तमनार में रक्तदान शिविर का आयोजन शुक्रवार को रेडक्रॉस सोसायटी ब्लड बैंक व जिला चिकित्सालय रायगढ़ के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्रिंसिपल पीएम दास, राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी कमल यशवंत सिन्हा, रेड क्रास सोसायटी द्वारा भारत माता स्वामी विवेकानंद की पूजा अर्चना कर शुभारंभ किया गया। प्रिंसिपल पीएम दाश ने स्वयंसेवक को छात्र-छात्राओं, युवाओं को रक्तदान के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि रक्तदान महादान है और एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद के जीवन को बचा सकता है। महाविद्यालय परिसर में आयोजित इस शिविर में 24 रक्तदाताओं ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी कमल यशवंत सिन्हाएपी एस कंवर समाजशास्त्र अतिथि व्याख्याता, छात्रा अनिशा निषाद के जन्म दिवस के अवसर पर हर वर्ष रक्तदान शिविर आयोजित किया जाता है। रक्तदाताओं को फ्रूट जूस फल स्वल्पाहार एवं प्रमाण पत्र प्रदाय किया गया। रेड क्रॉस सोसायटी ब्लड बैंक जिला अस्पताल रायगढ़ मेडिकल टीम एचडीएफसी बैंक का सराहनीय योगदान रहा।

नन्हें-मुन्नों ने लिया वनभोज का आनंद

एथेनिक रिसोर्ट में किया शैक्षणिक भ्रमण

जशपुरनगर। देव पब्लिक स्कूल किड्स सेक्शन, जशपुर के नन्हे-मुन्ने बच्चों के लिए विद्यालय प्रबंधन द्वारा एक यादगार एवं आनंदमय वनभोज का आयोजन किया गया। यह वनभोज बच्चों के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास को ध्यान में रखते हुए प्रकृति के सान्निध्य में आयोजित किया गया, जिसमें बच्चों ने खूब मस्ती की और नए अनुभव प्राप्त किए। सुबह उत्साह और उमंग से भरे बच्चे अपने शिक्षकों के साथ निर्धारित स्थल के लिए रवाना हुए।

बस यात्रा के दौरान बच्चों ने गीत गाए, ताली बजाई और पूरे रास्ते खुशी से चहकते नजर आए। वनभोज स्थल पर पहुंचते ही बच्चों का स्वागत हरियाली, खुले वातावरण और स्वच्छ प्रकृति ने किया। बच्चों के चेहरों पर उत्सुकता और आनंद साफ झलक रहा था। कार्यक्रम की शुरुआत प्रार्थना और बच्चों के लिए हल्के व्यायाम से हुई, जिससे वे तरोताजा महसूस कर सकें। इसके पश्चात शिक्षिकाओं द्वारा विभिन्न खेलों और मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन किया गया। रस्साकशी, गेंद खेल,

दौड़ प्रतियोगिता, समूह नृत्य और संगीत गतिविधियों में बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इन खेलों के माध्यम से बच्चों में टीमवर्क, सहयोग और अनुशासन की भावना विकसित हुई। वनभोज के दौरान बच्चों को प्रकृति से जोड़ने के लिए उन्हें पेड़-पौधों, फूलों और पक्षियों के बारे में सरल शब्दों में जानकारी दी गई। शिक्षिकाओं ने बच्चों को पर्यावरण संरक्षण का महत्व समझाते हुए स्वच्छता और प्रकृति से प्रेम करने की सीख दी। बच्चों ने प्रकृति के बीच बैठकर भोजन किया, जो उनके लिए एक नया और आनंददायक अनुभव रहा। भोजन के बाद बच्चों ने खुली जगह में स्वतंत्र रूप से खेलकूद किया। कुछ ने मित्रों के साथ दौड़-भाग कर मस्ती की। शिक्षकों की सतत निगरानी में बच्चों की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा गया। पूरे कार्यक्रम के दौरान अनुशासन और व्यवस्था बनी रही। विद्यालय की डायरेक्टर सुनीता सिन्हा ने इस अवसर पर कहा कि इस प्रकार के शैक्षणिक भ्रमण और वनभोज बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। विद्यालय के मैनेजिंग डायरेक्टर ओम प्रकाश सिन्हा ने कहा इससे बच्चे पुस्तकीय ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक अनुभव भी प्राप्त करते हैं और उनमें आत्मविश्वास बढ़ता है। उन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए उप एकेडमिक प्राचार्य मालविका डेगवेकर किड्स सेक्शन के कॉर्डिनेटर मोनिका तिर्की और सभी शिक्षकों और सहयोगी कर्मचारियों की सराहना की।

अधिकारी से 4 लाख की उगाही करने वाले दो ठग गिरफ्तार

राउरकेला। ओडिशा में खुद को विजिलेंस अधिकारी बताकर एक वरिष्ठ ओएएस अधिकारी से दो किश्तों में कुल 4 लाख रुपए वसूलने वाले दो ठगों को आखिरकार पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान मेन्धामाल, बिर्महराजपुर, जिला सुबर्नपुर निवासी गणेश प्रसाद नंदा और उसके रिश्तेदार प्रदीप कुमार पांडा के रूप में हुई है। दोनों ने अधिकारी को झूठे विजिलेंस मामलों में फंसाने की धमकी देकर रकम उगाही थी। जांच में सामने आया कि गणेश नंदा अलग-अलग मोबाइल नंबरों से कॉल करता था और कॉलर प्क पर खुद को विजिलेंस अधिकारी के रूप में दर्शाता था। दोनों आरोपी सरकारी अधिकारियों को निशाना बनाकर रिश्वत, धन के दुरुपयोग और अनियमितताओं के झूठे आरोप लगाते थे। सर्च और छापेमारी न करने के बदले उनसे राशि वसूलना ही इनका मुख्य तरीका था। हाल ही में ओडिशा विजिलेंस को सूचना मिली कि प्रदेश के कई अधिकारी इन दोनों के निशाने पर हैं और वे विजिलेंस के नाम पर उगाही कर रहे हैं।

अखिल भारतीय कल्याण आश्रम के देशभर के कार्यकर्ता हुए शामिल

वनयोगी बाला साहब देशपांडे स्मृति भवन का भूमिपूजन

जशपुरनगर। जिला मुख्यालय स्थित महापात्रे कॉलोनी में शनिवार को अखिल भारतीय कल्याण आश्रम के संस्थापक वनयोगी बाला साहब देशपांडे स्मृति भवन का विधिवत भूमि पूजन किया गया। कार्यक्रम में अखिल भारतीय कल्याण आश्रम से देशभर के कार्यकर्ताओं सहित बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित रहे।

भूमि पूजन का कार्यक्रम रामेश्वर राम, संयुक्त महामंत्री, अखिल भारतीय कल्याण आश्रम द्वारा संपन्न कराया गया। पूजन उपरांत प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर कल्याण आश्रम के राष्ट्रीय अध्यक्ष योगेश बापट ने बताया कि वनयोगी बाला साहब देशपांडे ने जशपुर में लगभग 47 वर्ष सेवा कार्य करते हुए व्यतीत किए। उनकी स्मृति में यह स्मृति भवन निर्मित किया जाएगा, जिसमें बाला साहब देशपांडे की प्रतिमा एवं फोटो गैलरी स्थापित की जाएगी। उन्होंने बताया कि बाला साहब देशपांडे पेशे से वकील थे और अध्ययनशील स्वभाव के व्यक्ति थे। उनका कार्यालय जिस प्रकार कार्य करता था, उसी शैली में स्मृति भवन में भी वकालत से जुड़ा वातावरण रहेगा। यह भवन जनजातीय समाज के शोध केंद्र के रूप में भी कार्य करेगा, जहां बाहर से आने वाले शोधार्थियों के लिए भोजन एवं ठहरने की व्यवस्था उपलब्ध रहेगी। कार्यक्रम में उपस्थित सचिन देशपांडे ने बताया कि बाला साहब देशपांडे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एवं रामकृष्ण मिशन से जुड़े हुए थे, जिसका उनके जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ा। उन्होंने मात्र 13 वर्ष की आयु में समाज सेवा प्रारंभ कर दी थी। उन्हें अपने कार्य और ईश्वर पर अटूट श्रद्धा थी। वनवासी समाज की परिस्थितियों को देखकर ही उन्होंने वनवासी कल्याण आश्रम की स्थापना की। बालासाहब देश पांडे का पुरा नाम श्री रमाकान्त केशव (बालासाहब) देशपांडे था। उनका जन्म अमरावती (महाराष्ट्र) में श्री केशव देशपांडे के घर में 26 दिसम्बर, 1913 को हुआ।

पांच करोड़ की लागत से बनेगा स्मृति भवन

कार्यक्रम में डॉ.मृगेंद्र सिंह ने जानकारी दी कि वनयोगी बाला साहब देशपांडे की स्मृति में यह भवन लगभग पांच करोड़ रुपये की लागत से बनाया जाएगा। इसमें उनसे जुड़े विभिन्न स्मृति चिन्ह प्रदर्शित किए जाएंगे, जिन्हें देखने के लिए देश ही नहीं बल्कि विदेशों से भी लोग आएंगे। इस अवसर पर राजा साहब रणविजय प्रताप सिंह जूदेव, कृपा प्रसाद सिंह, सतेंद्र सिंह, योगेश बापट, अतुल जोग, डॉ. पंकज भटिया, भगवान सहाय, रमेश बाबू सोमैया जुलो, शिवराम कृष्ण, सोनू पांडे सहित बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित रहे।

तालाब में डूबने से युवक की मौत

सरसीवा। तालाब में डूबने से एक युवक की मौत हो गई, पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले को विवेचना में लिया है। बताया जा रहा है कि मृतक अजय यादव की दिमागी हालत ठीक नहीं थी वह 6 दिसंबर को अपने घर से निकला था। 10 दिसंबर की सुबह सरसीवा पुलिस को सूचना मिला कि बस्ती के मदरसा डाबरी तालाब में एक युवक का शव तैर रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को पानी से बाहर निकाला गया। इसके बाद शव की शिनाख्ती अजय यादव के रूप में हुई। फिलहाल युवक के शव को पीएम के लिए अस्पताल भेज दिया गया है।

'नशा मुक्ति अभियान' के तहत उद्यानिकी कॉलेज ने निकाली जन जागरूकता रैली

कोतबा। उद्यानिकी महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र, कोतबा जिला जशपुर में आज 'नशा मुक्ति अभियान' के अंतर्गत एक व्यापक जन जागरूकता रैली का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज, विशेषकर युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति आगाह करना और एक स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था। 'नशामुक्त भारत अभियान' के तहत निकाली गई यह रैली महाविद्यालय परिसर से शुरू होकर कोतबा नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरी। रैली में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों, पाठ्यक्रम परामर्शदाताओं और समस्त कर्मचारियों के साथ-साथ 'नवांकुर' संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।रैली के दौरान छात्रों ने 'नशा छोड़ो-जीवन से नाता जोड़ों', 'नशे की लत एक बीमारी है, इससे दूर रहना समझदारी है' और 'जो नशे को हराएगा, वही सच्चा वीर कहलाएगा' जैसे प्रेरक नारे लगाए। पूरा वातावरण 'वन्दे मातरम' और 'भारत माता की जय' के उद्घोष से गुंजायमान हो उठा।

नवचेतना प्रशिक्षण का प्रसार- महाविद्यालय में केवल रैली ही नहीं, बल्कि बौद्धिक जागरूकता पर भी जोर दिया गया। शिक्षकों द्वारा 'नवचेतना प्रशिक्षण पैकेज' का कार्यान्वयन किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों के भीतर जीवन कौशल विकसित करना और उन्हें नशीली दवाओं के खतरों के प्रति ज्ञानवान बनाना है।

नशामुक्ति का सामूहिक संकल्प

कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने एक स्वर में नशामुक्ति की शपथ ली। विद्यार्थियों और नागरिकों ने संकल्प लिया किःवे स्वयं नशा मुक्त जीवन शैली अपनाएंगे। अपने परिवार, दोस्तों और समुदाय को नशा मुक्त रहने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।नशीली दवाओं के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता फैलाएंगे।नशामुक्त भारत अभियान की पहलों में सक्रिय योगदान देंगे।सभी ने एक स्वस्थ, मजबूत और समृद्ध राष्ट्र के निर्माण में अपना योगदान देने की प्रतिज्ञा के साथ इस अभियान को सफल बनाने का आह्वान किया।

नशे से होने वाले दुष्प्रभावों का विस्तारपूर्वक चर्चा की गई

डीपाटोली में एड्स जागरूकता रैली एवं घर-घर संपर्क अभियान

जशपुरनगर। शासकीय राम भजन राय एनईएस महाविद्यालय, जशपुरनगर की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयंसेवकों द्वारा कार्यक्रम अधिकारी गौतम कुमार सूर्यवंशी के नेतृत्व में एड्स जागरूकता पखवाड़ा के अंतर्गत ग्राम डीपाटोली में एड्स जागरूकता रैली एवं घर-घर संपर्क अभियान का सफल आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के दौरान स्वयंसेवकों ने रैली के माध्यम से एड्स के कारण, उससे बचाव के उपायों तथा नशामुक्ति के महत्व पर जन-जागरूकता संदेश दिए। इसके पश्चात स्वयंसेवकों ने छोटे-छोटे समूह बनाकर ग्राम के प्रत्येक घर में जाकर ग्रामीणों से प्रत्यक्ष संवाद किया और एड्स, नशा-उन्मूलन, स्वच्छता एवं स्वस्थ जीवनशैली से संबंधित जानकारी साझा की। नशे से होने वाले शारीरिक दुष्प्रभावों, पारिवारिक टूटन एवं सामाजिक विघटन पर भी विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। स्वयंसेवकों के अनुभव साझा करते हुए बताया गया कि ग्रामवासियों का सहयोग एवं प्रतिक्रिया अत्यंत सकारात्मक रही। ग्रामीणों ने रुचि के साथ स्वयंसेवकों की बात सुनी, प्रश्न पूछे तथा जागरूकता संदेशों को गंभीरता से सुना। कई ग्रामवासियों ने इस प्रकार के घर-घर जाकर किए गए जागरूकता प्रयासों की सराहना करते हुए इसे उपयोगी बताया। इस अवसर पर स्वयंसेवक गौतम यादव ने एड्स जागरूकता अभियान से जुड़े अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि ग्रामीणों से सीधा संवाद करने से समाज की वास्तविक समस्याओं को समझने का अवसर मिला। वहीं स्वयंसेविका चांदनी नायक ने कहा कि एड्स एवं नशामुक्ति जैसे सामाजिक विषयों पर आधारित इस जागरूकता अभियान से जुड़कर उन्हें अत्यंत अच्छा लगा। ग्रामवासियों से प्रत्यक्ष संपर्क कर उन्हें जागरूक करना एक प्रेरणादायक और सार्थक अनुभव रहा। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.अमरेंद्र ने इस जनहितकारी अभियान में सहभागिता करने वाले सभी स्वयंसेवकों को बधाई देते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों को समाज से जोड़ते हैं तथा उनमें सेवा, संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करते हैं। इस कार्यक्रम में सुरेश राम, होमनाथ सिंह, केशव कुमार सिंह, अशोक कुमार, कर्मा संन्यासी, गौतम यादव, रविन्द्र यादव, भानु यादव, अभिषेक यादव, प्रिज्मा भगत, संगीता भगत, अस्मिता तिग्गा, सुनैना बाई, कांता बाई, प्रियंका तिग्गा, अजय राम, चांदनी नायक, चांदनी बड़ाइक, सोनिया एक्का, सोनल एक्का, तनुजा कुजूर शामिल रहे।

सम्भाग का प्रथम Hightech नेत्र अस्पताल
आशीर्वाद
लेजर, फेको नेत्र चिकित्सालय
ZEPTO जेप्टो अमेरिकन (FDA) तकनीक द्वारा
मोतियाबिंद का एडवांस फेको ऑपरेशन व लेंस प्रत्यारोपण
अब तक 1.50 लाख से अधिक सफल नेत्र आपरेशन पर मुख्यमंत्री द्वारा छत्तीसगढ़ गौरव सम्मान
डॉ. एल.सी. मढ़रिया MBBS,MS नेत्र रोग विशेषज्ञ एवं फेको सर्जन
डॉ. एश्वर्य मढ़रिया MBBS, MS, FVR, LVP-Hydrabad नेत्र रोग विशेषज्ञ एवं रेटिना विशेषज्ञ
● 35 वर्ष से नेत्र चिकित्सा सेवा ● डायबिटीज व रेटिना के बीमारी के अंधत्व का त्वरित ईलाज लेसर द्वारा
आई.जी.ऑफिस रोड, नेहरू चौक, बिलासपुर
फोन : 07752-402070, 228277, मो. : 9826190123, 9669979123

online Booking:-www.tripuryatra.com
20 वर्षों से
बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग, गोंदिया से होकर
सुविधा ज्यादा सबसे कम राशि पर
स्पेशल ट्रेन से - 20 दिसंबर से 30 दिसंबर 2025 (11 दिन)
रामेश्वरम् धाम यात्रा
श्री रामेश्वरम् धाम ज्योतिर्लिंग, श्री तिरूपति बालाजी, श्री मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग, मदुरै श्री मीनाक्षीदेवी, श्री कन्याकुमारी,
25 शीटें शेष
राशि :- स्लीपर 20,500/-, 3 एसी-32,500/-, 2 एसी 38,500/- (+5% GST)
Since-2007
श्री त्रिपुर तीर्थ यात्रा सेवा समिति
RAIPUR- D-36, Sector-4, Kamal Vihar, KORBA- Shop No. 301,302,303 S.S. Plaza, Power House Road
संपर्क करें:-7354 411411